page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/22/2025 1:22 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू नगर निगम ने 'वॉल ऑफ़ शेम' पहल शुरू की

5 प्रणवी उर्स ने रचा इतिहास, पुरुष खिलाड़ियों को पछाड़ आईजीपीएल मुंबई खिताब जीता

8 दलहनी फसलों में मसूर की खेती का प्रमुख स्थान

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10 — अधिकतम 22

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-286 | जम्मू तवी, शनिवार 22 नवम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

उपराज्यपाल ने पुंछ, राजौरी का दौरा किया; कुदरती आफ़तों और पाकिस्तानी गोलाबारी प्रभावित परिवारों के लिए नए घरों के निर्माण का शिलान्यास किया

पुंछ में 133 घर और राजौरी में 388 घर जो पूरी तरह से डैमेज हो गए थे, उन्हें HRDS इंडिया की मदद से मुफ़्त में बनाया जाएगा

जम्मू, 21 नवंबर। लेफ्टिनेंट गवर्नर श्री मनोज सिन्हा ने आज पुंछ और राजौरी में हाल ही में आई कुदरती आफ़तों और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बिना उकसावे के पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के लिए नए घरों के निर्माण का शिलान्यास किया।

पुंछ में 133 घर और राजौरी में 388 घर जो पूरी तरह से डैमेज हो गए थे, उन्हें हाई-रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी की मदद से फ्री में बनाया जाएगा। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के प्रभावित परिवारों के पूरे पुनर्वास और पुंछ और राजौरी के हर निवासी की ज़िंदगी को बेहतर बनाने के वादे को दोहराया।इससे पहले, दोनों ज़िलों में अचानक आई बाढ़ और पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों को एक्स-ग्रेटिया राहत और नौकरी दी गई थी और मृतकों के अगले रिश्तेदारों (NoKs) को मुआवज़ा दिया गया था। सिक्योरिटी रिलेटेड एक्सपेंडिचर और सेंट्रल स्कीम के तहत पुंछ में दूसरे घर मालिकों को 10 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राहत पहले ही दी जा चुकी है। यह पक्का किया जा रहा है कि एक भी परिवार अपने अधिकारों और बुनियादी ज़रूरतों से वंचित न रहे, लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा। पुंछ में 13 NoKs को सरकारी नौकरी दी गई। मृतकों के 14 NoKs को एक्स-ग्रेटिया राहत दी गई। पुंछ में 160 कच्चे घर के मालिकों और 425 पक्के घर के मालिकों को अपने घर फिर से बनाने के लिए मुआवज़ा दिया गया। राजौरी में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए आम लोगों के एक NoK को सरकारी नौकरी दी गई। जिन 465 घरों को नुकसान हुआ था, उन्हें घर फिर से बनाने के लिए राहत राशि दी गई। राजौरी में प्राकृतिक आपदाओं के कारण नुकसान हुए घरों को ठीक करने के लिए मुआवज़ा दिया गया।

उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं और बिना उकसावे के पाकिस्तानी गोलाबारी के दौरान कई लोगों की जान बचाने और प्रभावित परिवारों की मदद करने के लिए ज़िला प्रशासन, पुलिस, सेना, CAPFs, इमरजेंसी रिस्पॉन्डर्स, सिविल सोसाइटी के सदस्यों और वॉलंटियर्स का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने HRDS इंडिया की टीम की भी इस नेक पहल के लिए तारीफ़ की। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रभावित परिवारों के लिए सबसे बड़ी ज़रूरत उनके सिर पर एक सुरक्षित छत है उन्होंने कहा, पूरे केंद्र शासित प्रदेश में पहले फेज़ में कुल 1,500 घर बनाए जाएंगे और नींव का काम शुरू होने के छह महीने के अंदर इन्हें बेनिफिशियरी को सौंप दिया जाएगा। ये नए तीन-बेडरूम वाले प्रीफैब्रिकेटेड स्मार्ट हाउस परिवारों को जल्दी से अपनी ज़िंदगी पटरी पर लाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन घरों में गायों के बाड़े जैसी खास सुविधाएं होंगी। अगले 5 साल तक इनका मेंटेनेंस HRDS इंडिया करेगा। दूसरे फेज़ में इन घरों में सोलर पैनल भी लगाए जाएंगे। पुंछ और राजौरी में बन रहे घरों पर करीब 51 करोड़ रुपये का खर्च आएगा, जिसका खर्च HRDS इंडिया उठाएगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' के हमलों ने पाकिस्तान को एकतरफ़ा सीज़फ़ायर की घोषणा करने पर मजबूर किया : अमित शाह

कहा कि हमारी सेनाओं ने JeM, हिज़्बुल, LeT के 9 खास कैंप तबाह कर दिए

श्रीनगर, 21 नवंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत मज़बूत और टारगेटेड जवाबी हमलों ने पाकिस्तान को इस साल मई में एकतरफ़ा सीज़फ़ायर की घोषणा करने पर मजबूर किया। गुजरात के भुज में बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स (BSF) के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि इस ऑपरेशन ने एक साफ़ संदेश दिया कि भारत की सीमाओं पर किसी भी खतरे का मज़बूत जवाब दिया जाएगा।

22 अप्रैल को पहलगाम में टूरिस्ट पर हुए हमले को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सपोर्ट वाले आतंकवादियों ने कायरतापूर्ण हमला किया।

उन्होंने कहा, हमले का बदला 'ऑपरेशन सिंदूर' के ज़रिए लिया गया। हमने सिर्फ़ लिमिटेड जवाब दिया, फिर भी पाकिस्तान ने आतंकवादियों पर हमले को खुद पर हमला समझा। जब उनकी आर्मी ने जवाब दिया, तो BSF जवानों ने करारा जवाब दिया। शाह ने आगे कहा कि कुछ ही दिनों में, BSF, आर्मी और एयर फ़ोर्स की मिली-जुली बहादुरी ने पाकिस्तान को एकतरफ़ा सीज़फ़ायर का ऐलान करने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, एक साफ़ मैसेज चला गया है कि कोई भी भारत की सीमाओं से छेड़छाड़ करने या हमारी सेनाओं को चुनौती देने की हिम्मत न करे। ऑपरेशन के दौरान, जैश-ए-मोहम्मद, हिज़्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के नौ खास ठिकाने—जिसमें हेडक्वार्टर, ट्रेनिंग कैंप और लॉन्च पैड शामिल हैं—तबाह कर दिए गए। उन्होंने कहा कि इसका मकसद आतंकवाद का खात्मा और नागरिकों और बॉर्डर इलाकों की सुरक्षा करना था। BSF के डेडिकेशन की तारीफ़ करते हुए शाह ने कहा कि पूरा देश उनकी बहादुरी को सलाम करता है।

उन्होंने कहा, हम सभी को BSF जवानों की ताकत और काबिलियत पर पक्का भरोसा है। उनके पक्के इरादे की वजह से देश चैन की नींद सोता है। उन्होंने बताया कि बॉर्डर की रक्षा करते हुए 2,013 BSF जवानों ने अपनी जान दी है। शाह ने कहा कि 1 दिसंबर, 1965 को बनने के बाद से, BSF ने कामयाबी की हर ऊंचाई को छुआ है। यह ज़मीन, पानी और हवा में भारत की सीमाओं की रक्षा करने वाला अकेला CAPF है। उन्होंने मुश्किल हालात में उनकी हिम्मत की तारीफ़ करते हुए कहा, दुर्गम इलाकों से लेकर मुश्किल पानी की सीमाओं तक, BSF के जवान तीनों पर तैनात रहते हैं गृह मंत्री ने कहा कि BSF, 193 बटालियन और 2.76 लाख से ज़्यादा जवानों के साथ, पाकिस्तान के साथ 2,279 km और बांग्लादेश के साथ 4,096 km बॉर्डर की सुरक्षा कर रहा है।

संक्षेप खबर

कठुआ में दो शेल डिफ्यूज किए गए

जम्मू तवी, 20 नवंबर। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार को कठुआ जिले में दो शेल बरामद किए और बाद में उन्हें डिफ्यूज कर दिया।

उन्होंने बताया कि यह बरामदगी तब हुई जब एक राहगीर ने पुलिस को धर्माणी इलाके में बरोटा रोड पर इन चीज़ों के बारे में बताया।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शेल को सुरक्षित रूप से डिफ्यूज कर दिया।

इस सर्दी में कोई फ़्लाइट कैंसिल नहीं होगी

श्रीनगर, 21 नवंबर। श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के डायरेक्टर, जाविद अंजुम ने शुक्रवार को कहा कि इस सर्दी में मौसम की वजह से फ़्लाइट कैंसिल होने की संभावना नहीं है क्योंकि एयरपोर्ट को अपग्रेडेड इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम कैटेगरी-II से लैस किया गया है।

डायरेक्टर ने कहा कि अपग्रेडेड सिस्टम कम विज़िबिलिटी वाली स्थितियों में भी सुरक्षित और ज़्यादा भरोसेमंद लैंडिंग पक्का करता है।

अंजुमन ने कहा कि श्रीनगर में आमतौर पर सर्दियों में लगभग 1,000 मीटर विज़िबिलिटी रिकॉर्ड होती है, जिससे आरामदायक लैंडिंग होती है। उन्होंने कहा, पहले, यह लिमिट 1,200 मीटर थी, लेकिन अब सिस्टम में काफी सुधार हुआ है। इस साल, हमें उम्मीद है कि कोई फ़्लाइट कैंसिल नहीं होगी, उन्होंने आगे कहा कि अपग्रेडेड ILS अब 400 मीटर जितनी कम विज़िबिलिटी में भी लैंडिंग की इजाज़त देता है।

डायरेक्टर ने कहा कि ILS अपग्रेड पिछले साल से ही काम कर रहा था और मौसम की वजह से कोई फ़्लाइट कैंसिल नहीं हुई, जिससे कोहरे और बर्फ़बारी वाले महीनों में एयरपोर्ट की विश्वसनीयता में बड़ा सुधार हुआ है।

पैसेंजर सुविधाओं में बढ़ोतरी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, हमने हीटिंग सिस्टम को बेहतर बनाया है, ज़्यादा सीटें जोड़ी हैं और पैसेंजर के लिए फ़्री Wi-Fi भी शुरू किया है। एयरपोर्ट पर 22 नई रिटेल दुकानें और नौ फूड और बेवरेज आउटलेट भी खुले हैं, और तीन और जल्द ही खुलने की उम्मीद है।

फ़्लाइट ऑपरेशन के बारे में, अंजुम ने कहा कि रोज़ाना की फ़्लाइट की संख्या मुख्य रूप से पैसेंजर के कम आने की वजह से कम हुई है, ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से नहीं। पहलगाम मामले से पहले हमारे पास हर दिन लगभग 54 फ़्लाइट थीं, लेकिन अब हम लगभग 30 फ़्लाइट चला रहे हैं। पैसेंजर ट्रैफ़िक रोज़ाना लगभग 19,500 से घटकर 8,000-10,000 हो गया है, हालाँकि हमें सर्दियों के टूरिज़्म की शुरुआत के साथ इसमें बढ़ोतरी की उम्मीद है, उन्होंने कहा।

विधानसभा अध्यक्ष ने जम्मू में दो नवनिर्वाचित विधायकों को दिलाई शपथ

जम्मू, 21 नवंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने शुक्रवार को जम्मू में दो नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई।इन विधायकों में बडगाम से पीडीपी के आगा मुंतज़िर मेहदी और नगरोटा से भाजपा की देवयानी राणा हैं।

हाल ही में जम्मू-कश्मीर में रिक्त सीटों के लिए हुए उपचुनाव में देवयानी राणा ने भाजपा के लिए नगरोटा सीट बरकरार रखी। उन्होंने नेशनल पैंथर्स पार्टी (जेकेएनपीपी) के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को भारी मतों से हराया। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के आगा मुंतज़िर मेहदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा महमूद को हराकर बडगाम सीट जीती है।

कुख्यात ड्रग तस्कर की लगभग 45 लाख की अचल संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 21 नवंबर । नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई में बडगाम पुलिस ने जिले के बीरवाह इलाके में एक कुख्यात ड्रग तस्कर की लगभग 45 लाख की अचल संपत्ति कुर्क की है। कुर्क की गई संपत्ति, सादीपोरा बीरवाह में एक मंजिला आवासीय घर, तनवीर अहमद गनी, पुत्र मोहम्मद यूसुफ गनी का है, जो पुलिस स्टेशन बीरवाह में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 02/2022, 13/2023 और 65/2024 में शामिल है। जांच से पता चला कि आरोपी ने उक्त संपत्ति अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय से अर्जित की है।

दुबई एयर शो में तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

नयी दिल्ली 21 नवम्बर। दुबई में प्रतिष्ठित एयर शो के दौरान शुक्रवार को भारतीय वायु सेना का स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुर्घटनाग्रस्त हो गया और दुर्भाग्य से इसमें पायलट की मौत हो गयी। भारतीय वायु सेना के प्रवक्ता ने यहां बताया कि दुबई एयर शो के दौरान वायु सेना का एक तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में विमान के पायलट की मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि वायु सेना को पायलट की मृत्यु पर खेद है और वह दुख की इस घड़ी में पूरी तरह शोक संतप्त परिवार के साथ है। प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का गठन किया जा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार दुर्घटना दोपहर दो बजकर दस मिनट के करीब हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विमान के गिरते ही उसमें आग लग गयी और धुंए का गुब्बार उठ गया। तेजस भारत में निर्मित पहला लड़ाकू विमान है जिसे हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। तेजस इससे पहले भी विभिन्न एयर शो में भाग लेता रहा है। यह पहला मौका है जब एयर शो में तेजस दुर्घटनाग्रस्त हुआ है।

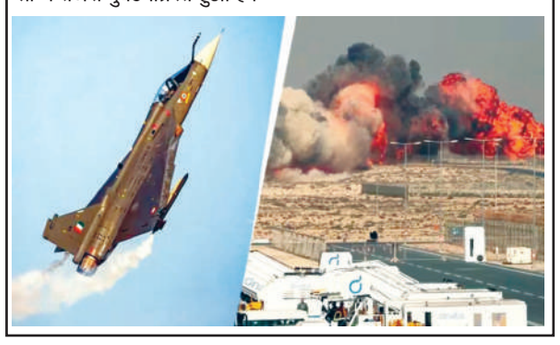

पुलिस ने दुकानों, गाड़ियों, अस्पतालों की जांच तेज की

श्रीनगर, 21 नवंबर। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू और कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को श्रीनगर शहर में केमिकल और फर्टिलाइज़र की दुकानों, कार डीलरशिप और अस्पतालों को टारगेट करते हुए मिलकर जांच की।

पिछले हफ्ते, श्रीनगर पुलिस ने आतंकवादी संगठनों से जुड़े एक एडवांस्ड व्हाइट-कॉलर टेरर मॉड्यूल का पता लगाया। इस नेटवर्क में कश्मीर, फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश के डॉक्टर शामिल थे जो विस्फोटक जमा करते थे। यह मॉड्यूल दिल्ली के लाल किले के पास हुए जानलेवा धमाके से जुड़ा था और इसी वजह से पूरे कश्मीर में अस्पतालों की बड़े पैमाने पर जांच की गई।

एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई नौहट्टा, लाल बाजार, शाहीगंज, चनापोरा, राजबाग, ऋरू बाग, हरवान, निशात, रूक्ष गंज, सफाकदल, ज़ादीबल, हजरतबल, निगीन, सद्दार, खानयार और शहर के आस-पास के इलाकों में की गई।

उन्होंने कहा कि केमिकल और फर्टिलाइज़र आउटलेट्स के इंस्पेक्शन में स्टॉक मेंटेनेंस, सेल्स रिकॉर्ड, बल्क खरीदारों की पहचान की जांच, खतरनाक चीज़ों का सुरक्षित स्टोरेज और लाइसेंस की वैलिडिटी को वेरिफाई करने पर फोकस किया गया।

उन्होंने कहा, दुकान मालिकों को संदिग्ध ट्रांज़ैक्शन की रिपोर्ट करने और पूरी ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने के बारे में बताया गया, उन्होंने आगे कहा कि पुलिस टीमों ने रेगुलेटरी ज़रूरतों का पालन करने के महत्व पर ज़ोर दिया और मालिकों को बताया कि केमिकल्स के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए इंस्पेक्शन ड्राइव रेगुलर जारी रहेंगी। साथ ही, कानूनी नियमों का पालन, सही रिकॉर्ड रखने, खरीदार की पहचान का वेरिफिकेशन और सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का पालन पक्का करने के लिए कार डीलरशिप का इंस्पेक्शन किया गया। अधिकारियों ने कहा, टीमों ने रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स, सेल एग्रीमेंट और इन्वेंट्री रिकॉर्ड चेक किए। डीलरों को याद दिलाया गया कि वे रिकॉर्ड तुरंत अपडेट करें और किसी भी असामान्य ट्रांज़ैक्शन की रिपोर्ट करें। उन्होंने कहा कि इन उपायों का मकसद गाड़ियों को गैर-कानूनी कामों के लिए इस्तेमाल होने से रोकना है। उन्होंने आगे कहा, मेडिकल संस्थानों के साथ कोऑर्डिनेशन में, श्रीनगर पुलिस ने ज़िला और प्राइवेट अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, PHCs और दूसरी हेल्थ सुविधाओं में डॉक्टरों और हॉस्पिटल स्टाफ द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले लॉकरों का भी इंस्पेक्शन किया। अधिकारियों ने कहा कि खतरनाक या मना की गई चीज़ों के बिना इजाज़त स्टोरेज के लिए लॉकरों की जाँच की गई। उन्होंने कहा कि स्टाफ़ को रिकॉर्ड रखने और यह पक्का करने का निर्देश दिया गया कि लॉकरों का इस्तेमाल सिर्फ़ ऑफ़िशियल कामों के लिए किया जाए। गंदेरबल में भी इसी तरह की जाँच की गई, जहाँ पुलिस ने अस्पताल के कर्मचारियों को पूरी तरह से सहयोग करने और सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करने की सलाह दी। अनंतनाग में, गाड़ी डीलरशिप की सही डॉक्यूमेंटेशन, मोटर व्हीकल एक्ट का पालन, और स्टॉक और खरीदार की जानकारी के वेरिफ़िकेशन के लिए जाँच की गई। अधिकारियों ने कहा, टीमों ने यह पक्का किया कि कोई भी बिना रजिस्टर्ड या संदिग्ध गाड़ी स्टोर या ट्रेड नहीं की जा रही हो।

नवाचार को बढ़ाने के लिए इजराइली स्टार्टअप के साथ सहयोग पर विचार कर रहा भारत : गोयल

तेल अवीव, 21 नवंबर। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को इजराइल के जाफा में पेरेस सेंटर फ़ॉर पीस एंड इनोवेशन का दौरा किया। अपने इजराइली समकक्ष नीर बरकत के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के लिए पीयूष गोयल 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि भारत और इजराइली स्टार्टअप इनोवेशन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए साइबर सुरक्षा और चिकित्सकीय उपकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग कर नवाचार परिवेश को बढ़ावा दे सकते हैं।

हम अपने स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए इजराइल के साथ मिलकर काम कर सकते हैं, जिसे हम भारत की इकोनॉमी ऑफ स्केल को देखते हुए कॉम्पिटिटिव कीमतों पर डीप टेक और हाई क्वालिटी इनोवेशन के लेवल तक ले जाना चाहते हैं।केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इज़राइल ने दिखाया है कि नवाचार और विकास किस प्रकार एक छोटे से देश को एक महत्वपूर्ण स्थिति तक लाकर खड़ा कर सकता है।

जम्मू के बाहरी इलाके में कब्ज़ा हटाने की कार्रवाई में 16 एकड़ ज़मीन वापस मिली

जम्मू तवी, 21 नवंबर। अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन ने शुक्रवार को जम्मू शहर के बाहरी इलाके में करोड़ों रुपये की 16 एकड़ से ज़्यादा कीमती ज़मीन पर बड़े पैमाने पर कब्ज़ा हटाने की कार्रवाई की।

अधिकारियों ने बताया कि भारी सुरक्षा उपायों के बीच प्रशासन ने अब तक 10 से ज़्यादा स्ट्रक्चर गिरा दिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य और जम्मू डेवलपमेंट अथॉरिटी की कीमती ज़मीन पर बड़े पैमाने पर कब्ज़े के खिलाफ कार्रवाई करते हुए, रेवेन्यू डिपार्टमेंट के लोगों और मशीनों ने बड़ी संख्या में पुलिस और सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स की मदद से बिश्नाह तहसील के सिकंदरपुर इलाके में 130 कनाल कब्ज़े वाली ज़मीन को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की।

ज़मीन की अनुमानित कीमत 50 से 60 करोड़ रुपये के बीच है। उन्होंने बताया कि खसरा नंबर 308, 389 और 2206 के तहत आने वाली ज़मीन पर लंबे समय से गैर-कानूनी कब्ज़ा था, जिसमें ज़मीन पर कब्ज़ा करने वालों ने कई गैर-कानूनी स्ट्रक्चर बनाए थे, जिनमें NDPS एक्ट के तहत बुक किए गए लोग भी शामिल थे।

यह ड्राइव जम्मू के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट डॉ. राकेश मिन्हास के निर्देश पर, जम्मू के सीनियर पुलिस सुपरिटेंडेंट जोगिंदर सिंह के साथ मिलकर चलाई गई। उन्होंने बताया कि अब तक 15 से ज़्यादा स्ट्रक्चर गिराए जा चुके हैं, क्योंकि यह ड्राइव चल रही है।

पुलिस और रेवेन्यू एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि कैसे कुछ लोगों का इस्तेमाल ज़मीन हड़पने और फिर उसे जम्मू के बाहर से आने वाले लोगों को बेचने के लिए किया जा रहा है, जिससे सरकारी ज़मीन पर गैर-कानूनी कॉलोनियां बन रही हैं।

इसके अलावा, अधिकारी इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि बिना बिल्डिंग परमिशन के राज्य और JDA की ज़मीन पर बने सभी घरों और बिल्डिंगों को बिजली और पानी के कनेक्शन के साथ-साथ दूसरी सरकारी सुविधाएं भी नहीं मिलेंगी। जम्मू जिले में राज्य और JDA की करोड़ों रुपये की ज़मीन पर बड़े पैमाने पर कब्ज़ा है, जो 10,000 कनाल से ज़्यादा है।

वित्त मंत्री ने शहरीकरण क्षेत्र के विशेषज्ञ और हितधारकों के साथ की 12वीं बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली, 21 नवंबर। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में शहरीकरण क्षेत्र के विशेषज्ञ और हितधारक के साथ 12वीं बजट पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शहरीकरण क्षेत्र के विशेषज्ञ और हितधारक के साथ 12वीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की।

इस बैठक में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव, देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार और फाइनेंस मिनिस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने मीटिंग में हिस्सा लिया।

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल के दिनों में बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, आईटी और स्टार्टअप्स जैसे दूसरे सेक्टर्स के रिप्रेजेंटेटिव्स के साथ इसी तरह की बजट पूर्व-बजट बैठकें की है। बजट-पूर्व परामर्श बैठकें अनिवार्य रूप से सरकारी वित्त अधिकारियों और वित्त मंत्री द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ अंतिम केंद्रीय बजट तैयार करने और उसे संसद में प्रस्तुत करने से पहले आयोजित की जाने वाली परामर्श और चर्चा प्रक्रिया है।

आर्मी कमांडर ने ऑपरेशनल तैयारी का रिव्यू किया

जम्मू, 21 नवंबर। नॉर्दर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने शुक्रवार को पुंछ में सैनिकों से मुलाकात की और ऑपरेशनल तैयारी का रिव्यू किया और अंदरूनी इलाकों में मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन किया। आर्मी कमांडर ने मुश्किल हालात में काम कर रहे सैनिकों के पक्के समर्पण और अच्छी तैयारी की तारीफ़ की। नॉर्दर्न कमांड ने इ्न को बताया, नॉर्दर्न कमांड के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने ऑपरेशनल तैयारी का रिव्यू करने और अंदरूनी इलाकों में मौजूदा सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए शाहसितार, पुंछ का दौरा किया। उन्हें चल रहे काउंटर-टेररिज्म ऑपरेशन और सुरक्षा ग्रिड को मज़बूत करने के उपायों के बारे में जानकारी दी गई, ऐसा कहा गया।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 **चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस** मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के **लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें।** यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश : चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

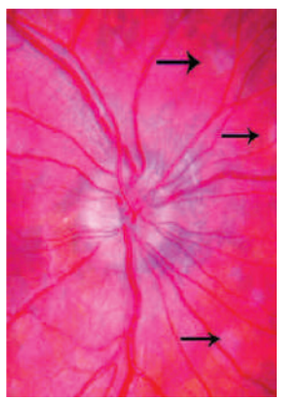

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए **वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह** आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में **मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन** के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर **चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है।** स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइसिमक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

कविंदर गुप्ता ने दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की

नई दिल्ली, 21 नवंबर। लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर, कविंदर गुप्ता ने आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और केमिकल्स और फर्टिलाइजर मंत्री श्री जेपी नड्डा जी से मुलाकात की और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में हेल्थकेयर डेवलपमेंट, मेडिकल एजुकेशन और पब्लिक वेलफेयर से जुड़े खास मुद्दों पर चर्चा की कविंदर गुप्ता ने केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे लगातार सपोर्ट के लिए आभार जताया और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को लद्दाख के पहले मेडिकल कॉलेज और लेह में प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज की स्थापना सहित बड़े प्रोजेक्ट्स की प्रोग्रेस के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सेंट्रल फंड जारी करना, ज़मीन अलॉटमेंट, और कंस्ट्रक्शन और पोस्ट बनाने के लिए प्रपोज़ल जमा करना जैसे बड़े कदम पहले ही पूरे हो चुके हैं। उन्होंने मिनिस्ट्री से बाकी एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रूवल में तेज़ी लाने की रिक्वेस्ट की ताकि मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज जल्द से जल्द चालू हो सकें।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल कारगिल को 100 से 200 बेड तक अपग्रेड करने में तेज़ी लाने की ज़रूरत पर भी ज़ोर दिया, और कहा कि एक्स्ट्रा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का काम चल रहा है, लेकिन ज़रूरी पोस्ट बनाने के लिए मिनिस्ट्री से जल्दी अप्रूवल की ज़रूरत है। कविंदर गुप्ता ने लेह में एक स्त्र ।त्र वेलनेस सेंटर बनाने की भी रिक्वेस्ट की, और बताया कि लद्दाख में तैनात हज़ारों सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉई और पेंशनर्स को अभी यह सुविधा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने मिनिस्ट्री से लद्दाख की पूरी स्न्न आबादी को पूरे PMJAY कवरेज के तहत लाने और इस इलाके में हेल्थकेयर डिलीवरी के ज़्यादा खर्च को दिखाने के लिए प्रीमियम में बदलाव करने की भी रिक्वेस्ट की।

जम्मू नगर निगम ने 'वॉल ऑफ़ शेम' पहल शुरू की

जम्मू, 21 नवंबर (हि.स.)। जम्मू शहर में बढ़ती गंदगी और खुले में कचरा फेंकने की समस्या पर रोक लगाने के लिए जम्मू नगर निगम ने वॉल ऑफ़ शेम पहल शुरू करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों को गंदा करने वाले लोगों को हतोत्साहित करना और शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। नगर निगम की लगातार स्वच्छता मुहिम के बावजूद कई इलाकों में खुले में कचरा फेंकने की शिकायतें बनी हुई हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए लोगों से अपील की कि वे कचरा खुले में न फेंकें और शहर को साफ रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने साफ कहा कि कुछ लोगों में स्वच्छता और नगर निगम की व्यवस्था को लेकर जागरूकता की कमी है, जिसके चलते कठोर कदम उठाने जरूरी हो गए हैं। आयुक्त ने सफाई अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यदि कोई व्यक्ति खुले में कचरा फेंकता या खुले में शौच/मूत्रत्याग करता पाया जाए तो उसके फोटो और वीडियो रिकॉर्ड किए जाएँ। इन दृश्य सामग्रियों को फ्वॉल ऑफ़ शेमफ पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा ताकि लोग अपनी जिम्मेदारी समझें और स्वच्छता नियमों का पालन करें। उन्होंने चेतावनी दी कि जल स्रोतों को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डॉ. यादव ने कहा कि अब ढील का समय खत्म हो चुका है और नगर निगम साफ-सुथरे जम्मू के लिए सख्त कदम उठाने को तैयार है। उन्होंने सभी निवासियों से इस प्रयास में सहयोग करने की अपील की।

मशरूम की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

कठुआ, 21 नवंबर (हि.स.)। जीडीसी बिलावर इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और आईक्यूएसी ने वनस्पति विज्ञान विभाग के सहयोग से मशरूम की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। संसाधन व्यक्ति विनय गुप्ता ने मशरूम की खेती पर व्याख्यान और प्रदर्शन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति ने मशरूम की खेती पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों के आय सृजन और आत्मनिर्भरता के लिए व्यावहारिक और स्थायी कौशल प्रदान करना था। प्रशिक्षण में सब्सट्रेट तैयारी, स्पॉन इनोक्यूलेशन, इन्क्यूबेशन, फलन, रोग प्रबंधन और कटाई के बाद की देखभाल सहित विस्तृत चरण-दर-चरण प्रक्रियाओं को शामिल किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों के नेतृत्व में इंटरैक्टिव सत्र शामिल थे और इसे शिटाके, ऑयस्टर और बटन मशरूम जैसी विभिन्न मशरूम की खेती तकनीकों के लाइव प्रदर्शनों के साथ और भी बेहतर बनाया गया। प्रतिभागियों ने मशरूम की खेती की इकाइयों को तैयार करने में सक्रिय रूप से भाग लिया, तथा वाणिज्यिक उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं को सीखा। इस तरह की प्रशिक्षण पहल व्यापक कौशल विकास प्रयासों का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य किसानों, ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के बीच टिकाऊ कृषि व्यवसाय और स्वरोजगार को बढ़ावा देना है।

पुलिस ने चार ड्रग तस्करों को पकड़ा

जम्मू, 21 नवंबर (हि.स.)। हेरोइन जैसा पदार्थ, पंच कार, बुलेट मोटरसाइकिल और तराजू बरामद। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता में, जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने चार ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी और हेरोइन जैसे पदार्थ, एक पंच कार, एक बुलेट मोटरसाइकिल और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू की बरामदगी के साथ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। नियमित गश्त के दौरान पुलिस पोस्ट मनवाल की एक टीम, उसके प्रभारी पीएसआई भवानी सिंह के नेतृत्व में और अन्य अधिकारियों की सहायता से, विश्वसनीय जानकारी मिली कि चार व्यक्ति प्रतिबंधित पदार्थ बेचने के इरादे से इलाके में घूम रहे थे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिंद्राह रोड, सैलून के पास एक नाका स्थापित किया। उन्होंने एक रजिस्ट्रेशन नंबर जेके02डीपी -9627 वाली एक पंच कार और रजिस्ट्रेशन नंबर जेके 02सी क्यू-7326 वाली एक बुलेट मोटरसाइकिल को रोका। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 8 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया। रोहित जामवाल पुत्र शमशेर सिंह निवासी जिन्द्राह, अभिषेक जम्वाल पुत्र ब्रिज पाल निवासी जिंद्राह 1.55 ग्राम, अरविंद सिंह उर्फ काका पुत्र सत पॉल निवासी जिंद्राह 2.23 ग्राम। और आदित्य सिंह उर्फ वीरू पुत्र ओमकार सिंह, निवासी जिन्द्राह 2.23 ग्राम।

गोवंश तस्कर गुलाम कादर की चल संपत्ति धारा 107(5) बीएनएसएस के तहत कुर्क

उधमपुर, 21 नवंबर (हि.स.)। चेनानी के आदतन गोवंश तस्कर गुलाम कादर की चल संपत्ति धारा 107(5) बीएनएसएस के तहत कुर्क की गई उधमपुर पुलिस ने एक आदतन गोवंश तस्कर की 12 लाख रुपये की चल संपत्ति कुर्क की है।

गुलाम कादर पुत्र मजम दीन निवासी जिग बुप्प, तहसील चेनानी, जिला उधमपुर के स्वामित्व वाले पंजीकरण संख्या जेके14जे-3924 वाले टाटा योद्धा वाहन को जेएमआईसी रामनगर, उधमपुर के माननीय न्यायालय के आदेश से धारा 107(5) बीएनएसएस के तहत संलग्न किया गया है।

उक्त वाहन पुलिस स्टेशन रामनगर के केस एफआईआर संख्या 165/2025 यू/एस 223 (ए) बीएनएस और 11 पीसीए अधिनियम में शामिल पाया गया था। जांच के दौरान आईओ ने कई पहलुओं को शामिल करते हुए विस्तृत पूछताछ की। अभियुक्तों के आपराधिक रिकॉर्ड और वित्तीय जांच के आधार पर यह पता चला कि आपत्तिजनक वाहन को गोजातीय तस्करी से उत्पन्न अपराध की अवैध आय के माध्यम से खरीदा गया था। तदनुसार, उधमपुर पुलिस ने उक्त वाहन को धारा 107(5) बीएनएसएस के तहत कुर्क कर लिया। कुल मिलाकर, यह ऐसे मामलों में उधमपुर पुलिस द्वारा जब्त किया गया 11वां वाहन है, जिसकी कुल कीमत 1.43 करोड़ है।

गोजातीय तस्करी का प्रयास विफल, झज्जर कोटली क्षेत्र में 07 गोवंश को बचाया गया

जम्मू, 21 नवंबर (हि.स.)। ऑपरेशन कामधेनु के तहत गोजातीय तस्करी पर अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए जम्मू (ग्रामीण) पुलिस ने झज्जर कोटली क्षेत्र में तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। झज्जर कोटली पुलिस द्वारा एक नाका लगाया गया था। नाके पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या जेके02सीआर-7445 वाले एक कैंटर वाहन को रोका। सघन निरीक्षण करने पर उक्त वाहन में 07 गोवंश अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाये गये। सभी जानवरों को सुरक्षित बचा लिया गया जबकि वाहन के चालक शकील अहमद पुत्र गुलाम अहमद निवासी कल्याणपुर, जम्मू को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

एसएसपी कठुआ ने अपराध समीक्षा बैठक की, लंबित मामलों को जल्द निपटाने के निर्देश

कठुआ, 21 नवंबर (हि.स.)। अपराध निपटान में सुधार और लंबित मामलों को कम करने के उद्देश्य से एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस ने थाना राजबाग के सभी जांच अधिकारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक की, जिसमें पर्यवेक्षी अधिकारी एसपी मुकुंद टिबरेवाल, एसडीपीओ बॉर्डर धीरज और अभियोजन अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में सभी जांचाधीन मामलों पर गहन चर्चा हुई। प्रत्येक मामले में एसएसपी द्वारा विशिष्ट निर्देश दिए गए और निपटान की समय-सीमा निर्धारित की गई। उन्होंने जांचाधीन मामलों में लंबित आरोपियों को पकड़ने के प्रयासों में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा जांच अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे ऐसे सभी आरोपियों के लिए धारा 84 बीएनएसएस के तहत सक्षम न्यायालयों से उद्घोषणा जारी करवाएँ, ताकि फरार आरोपियों की संपत्ति कुर्क की जा सके।

एनडीपीएस मामलों में एसएसपी ने सभी को आगे-पीछे के लिंकेज पर काम करने का निर्देश दिया ताकि पूरी मादक पदार्थ तस्करी श्रृंखला का पता लगाया जा सके। सभी मादक पदार्थों के मामलों में बैंक खाते फ्रीज करने, हवाला नेटवर्क का पता लगाने आदि सहित अनिवार्य वित्तीय जाँच के निर्देश भी दिए गए। गोवंश तस्करी के यूआई मामलों वाले सभी जांच अधिकारियों को सभी आरोपियों और उनके मामलों में शामिल वाहनों के ड्राइविंग लाइसेंस और रूट परमिट रद्द करने का काम सौंपा गया। इसके अलावा एसएसपी ने एसएचओ को बार-बार अपराध करने वालों की सूची बनाने का निर्देश दिया ताकि यातायात और परिवहन विभाग की मदद से उनके वाहनों को जब्त किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि वर्तमान में केंद्र शासित प्रदेश से बाहर रह रहे आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए विशेष टीमें बनाई जाएँगी ताकि मामलों को तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचाया जा सके, और इसमें स्थानीय क्षेत्राधिकार पुलिस की भी मदद ली जा सकती है।

आवारा कुत्तों से लोग परेशान

जम्मू, 21 नवंबर (हि.स.)। राजौरी में आवारा कुत्तों के बढ़ते संकट के कारण लोग काफी परेशान हैं। इस संबंध में भाजपा राजौरी के जिला सचिव राधिश शर्मा ने बताया कि आवारा कुत्तों की वजह से नागरिकों को दैनिक जीवन में असुविधा और सुरक्षा की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार प्रशासन को इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए कदम उठाने की जरूरत है और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता में नाराजगी बढ़ सकती है

विधायक ने पानी की पाइप्स को बिछाने के कार्य को शुरू करवाया

जम्मू ,1 नवंबर (हि.स.)। जम्मू कश्मीर प्रदेश की नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने बीते चुनाव से पहले किए वादों को पूरा न कर जम्मू कश्मीर प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया है जबकि वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही है भाजपा की केंद्र सरकार ने जनता के साथ जो वादे किए हैं उसे पूरा करने के लिए प्रयासरत है। आरएस पूरा जम्मू से विधायक एवं भाजपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ नरेंद्र सिंह रैना ने आज यह बात पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। डॉ नरेंद्र रैना ने रंगपुर, रंगपुर बस्ती व आर एस पुरा के लोगों को स्वच्छ जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इलाके में पीएचई डिपार्टमेंट की तरफ से जल जीवन मिशन योजना के तहत साफ की सप्लाई हेतु पानी की पाइप्स को बिछाने के कार्य को शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार का कार्यक्रम है कि हर घर स्वच्छ जल स्कीम का लाभ पहुंचे। इसी उद्देश्य को लेकर क्षेत्र में एक पानी की टंकी भी बनाई गई थी जिससे लोगों के घरों तक स्वच्छ जल पहुंचाने हेतु पानी की पाइप बिछाने का कार्य हमने शुरु करवाया है ताकि लोगों का स्वस्थ बेहतर रहे। इस मोके पर समाज सेवक राजेश खन्ना व अन्य लोगों ने क्षेत्र के लोगों के लंबित मांग को पूरा करने के लिए आभार भी व्यक्त किया। नहीं कार्यक्रम के दौरान भाजपा ब्लॉक प्रधान प्रवीण शर्मा, संतोष भगत व और लोग भी मौजूद थे।

जसरोटा विधानसभा क्षेत्र का विकास सिर्फ एक वादा नहीं, बल्कि एक सतत मिशन है :जसरोटिया

कठुआ, 21 नवंबर (हि.स.)। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति को जारी रखते हुए विधायक राजीव जसरोटिया ने शुक्रवार को बरनोटी ब्लॉक की चार पंचायतों पल्ली, बरवाल पूर्व, बरवाल पश्चिम और उतरी में 44 लाख रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

विधायक ने बरवाल पूर्व और बरवाल पश्चिम पंचायतों में दो नए स्थापित ट्रांसफार्मरों का भी उद्घाटन किया, जिनका उद्देश्य क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार लाना है। उद्घाटन के बाद जसरोटिया ने एक जनसभा को संबोधित किया जहाँ उन्होंने स्थानीय निवासियों की शिकायतें सुनीं। इस अवसर पर बोलते हुए जसरोटिया ने कहा कि जसरोटा विधानसभा क्षेत्र का विकास केवल एक वादा नहीं, बल्कि एक सतत मिशन है। उन्होंने कहा कि हर परियोजना चाहे वह जलापूर्ति से संबंधित हो, सड़क सुधार से संबंधित हो, या जनसुविधाओं से संबंधित हो, पूरी लगन से की जा रही है ताकि निवासियों को वे सुविधाएँ मिल सकें जिनके वे वास्तव में हकदार हैं।

जसरोटिया ने अपने समक्ष रखी गई सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान का आश्वासन दिया। कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। उन्होंने कई नागरिक और प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें गलियों और नालियों की मरम्मत और निर्माण, स्ट्रीट लाइटों की स्थापना और रखरखाव, पेयजल आपूर्ति में सुधार और राजस्व विभाग से संबंधित मुद्दों की तत्काल आवश्यकता शामिल थी।

युवा राजपूत सभा में प्रधान पद विवाद के बाद अब मंदीप सिंह को पदभार मिला

जम्मू, 21 नवंबर (हि.स.)। युवा राजपूत सभा पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में रही है। इसका कारण सभा में हुए अंतर्कलह को माना जा रहा है। आपको याद होगा कि अगस्त माह में सभा दो भागों में बंट गई थी और विवाद प्रधान पद को लेकर था। इसे सुलझाने के लिए सभा के कोर सदस्यों ने प्रयास किया और दोफाड़ युवा राजपूत सभा को एक करने में सफलता पाई। कोर कमेटी और विभिन्न बिरादरी के अध्यक्षों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से पहले तीन महीने के लिए संजीव सिंह रिंकू को प्रधान चुना गया, जबकि अगले दो वर्षों के लिए मंदीप सिंह को प्रधान बनाए जाने का निर्णय लिया गया।

भद्रवाह में एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों के परिजनों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 21 नवम्बर। एनसीसी डे के उपलक्ष्य में भद्रवाह में आयोजित एक भावुक और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत समारोह में 10 जे एंड के बटालियन एनसीसी भद्रवाह के कैडेटस ने देश की रक्षा में शहीद हुए वीर सैनिकों के परिजनों को नमन किया और उन्हें श्रद्धा-सम्मान के साथ स्मरण किया। वीर नारियों/माताएँ थीम पर आधारित यह विशेष कार्यक्रम पीएम श्री सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय भालरा और सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय सर्तिंगल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैडेटस को शहीद हवलदार अब्दुल क़य्यूम (088 बटालियन, सीआरपीएफ), जो 26 मार्च 2001 को कश्मीर में शहीद हुए थे, की पत्नी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्होंने गांव बस्ती भद्रवाह के निवासी, 10 जाकली के शहीद हवलदार मोहम्मद शफी, जो 24 सितंबर 1991 को असम में ऑपरेशन रेनो के दौरान शहीद हुए थे, की पुत्री मिस डेज़ी अख्तर से भी संवाद किया। कार्यक्रम का नेतृत्व मेजर (डॉ.) विनीत कुमार शर्मा, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर, तथा डॉ. संजीव कुमार कौल, आईआई/ओ एवं एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर ने किया। अधिकारियों ने कैडेटस को वीरता, कर्तव्य और बलिदान की उन अनमोल संवेदनाओं से जोड़ने का प्रयास किया, जिन्हें भारतीय सेना और अर्धसैनिक बल पीढ़ियों से धारण करते आए हैं। शहीदों के परिजनों ने अपने अनुभवों और स्मृतियों को साझा करते हुए कैडेटस को प्रेरित किया। पूरा माहौल देशभक्ति के जज्बे से गूंज उठा, जब उपस्थित लोगों ने राष्ट्र की गरिमा को बनाए रखने और शहीदों के परिवारों के सम्मान की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। मेजर (डॉ.) शर्मा ने कैडेटस के अनुशासित और संवेदनशील व्यवहार की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में देशरक्षा को लेकर जिम्मेदारी और समर्पण की भावना को और मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम का समापन शहीदों की अमर विरासत को सेवा और निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने की शपथ के साथ हुआ।

कठुआ विधायक ने जनता को 46 लाख रुपये के विकास कार्य समर्पित किए

कठुआ, 21 नवंबर (हि.स.)। कठुआ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति को जारी रखते हुए कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने शुक्रवार को जनता को 46 लाख रुपये की लागत से तीन कार्य समर्पित किए।

कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने सबसे पहले पटेल नगर में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 8 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन किया। इस सुविधा से कठुआ के पटेल नगर, शिवपुरी, ड्रीमलैंड पार्क और शिव नगर क्षेत्रों के निवासियों को लाभ होगा। इसके बाद विधायक ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय बरमोरा परिसर में 15 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित होने वाले वॉलीबॉल कोर्ट का शिलान्यास किया। यह सुविधा स्कूल के छात्रों के लिए खेल का मैदान उपलब्ध कराएगी और साथ ही सब्जी मंडी, चिनाब टेक्सटाइल मिल्स इलाके और कठुआ के वार्ड नंबर 21 के क्षेत्रों के लिए भी उपयोगी होगी। इसके बाद विधायक ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय चक फूलां का दौरा किया और दो अतिरिक्त कक्षा का शिलान्यास किया। इन दो कक्षों का निर्माण अनुमानित 23 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा और ये विद्यालय की कक्षा कक्षों की आवश्यकता को पूरा करेंगे, जिसमें 87 विद्यार्थी नामांकित हैं। इस अवसर पर डीडीसी उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह बबलू, राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रेम नाथ डोगरा, नगर पालिका लखनपुर के पूर्व अध्यक्ष रविंदर शर्मा, कठुआ के बीडीओ सुनील डोगरा, नगर मंडल प्रधान राहुल देव, पूर्व पार्षद रविंदर पठानिया, अशोक शर्मा, सीमा कुमारी, दीपक शर्मा, मोहन लाल, अनिरुद्ध शर्मा, पूर्व पार्षद संजय कुमार, अमित सूदन, बबलू जसरोटिया, करण सिंह, पूर्व पार्षद भानु प्रताप, ग्रामीण विकास विभाग, युवा सेवा एवं खेल विभाग के कर्मचारी और क्षेत्र के स्थानीय निवासी उपस्थित थे।

एसडीएम हीरानगर ने मिशन युवा की समीक्षा बैठक की

कठुआ, 21 नवंबर (हि.स.)। कठुआ उपायुक्त के निर्देश पर एसडीएम हीरानगर फुलैल सिंह जेकेएएस ने अपने कार्यालय कक्ष में मिशन युवा की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में बीएचडी के सभी सदस्य, खंड विकास अधिकारी मढ़हीन, खंड विकास अधिकारी हीरानगर, खंड विकास अधिकारी डिंगाअंब और उपमंडल हीरानगर के सभी युवादूत उपस्थित थे। इस अवसर पर पंचायतवार प्रगति की समीक्षा की गई और सभी युवादूतों को सभी खंड दिवस और ग्राम सभा कार्यक्रमों में जनता के बीच अधिक जागरूकता उत्पन्न करने पर जोर दिया गया ताकि युवाओं को रोजगार और योजना के अन्य लाभ मिल सकें। युवदूतों को नए लाभार्थियों के पंजीकरण और सहायता के लिए पंचायतवार लक्ष्य आवंटित किए गए। बीएचडी सदस्यों को योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं को जागरूक करने और सहायता प्रदान करने के लिए अपनी क्षेत्रीय एजेंसियों का उपयोग करने का भी निर्देश दिया गया। खंड विकास अधिकारियों को भी अपने-अपने ब्लॉकों में इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए।

अवैध खनन में लिप्त 7 वाहन जब्त

कठुआ, 21 नवंबर (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा की देखरेख में कठुआ पुलिस ने पुलिस पोस्ट घाट्टी, थाना कठुआ और थाना बिलावर क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में कुल 07 वाहनों को जब्त किया है, जिनका उपयोग निर्माण सामग्री के अवैध खनन परिवहन के लिए किया जा रहा था।

पहली घटना में डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह के मार्गदर्शन में इंचार्ज पोस्ट घाट्टी पीएसआई रजत कोतवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए बिना किसी कानूनी अनुमति के निर्माण सामग्री के अवैध खनन परिवहन में लिप्त 04 वाहनों को जब्त किया है। जबकि दूसरी घटना में एसडीपीओ बिलावर नीरज पडियार जेकेपीएस की देखरेख में एसएचओ थाना बिलावर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त के दौरान बिना किसी वैध अनुमति के रेत से लदे ट्रॉलियों सहित तीन ट्रैक्टर जब्त किए। सभी 07 वाहनों को कठुआ पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान और खनन विभाग कठुआ को सौंप दिया गया है।

GOVERNMENT OF JAMMU AND KASHMIR
JAL SHAKTI IRRIGATION DIVISION UDHAMPUR
CORREGENDUM

Due to poor response in work namely mentioned below which is due to 19-11-2025 is hereby extended 2nd time as under:-

S. No.	Name of work	Ref. to enit No.	Tender reference ID	Date of submission	Date of Opening
01	Construction of protection work at vulnerable spots in Udhampur West constituency under(UT Capex	enit14 of 2025-26 Dt 06-11-2025	2025_IFC_29396 1_5	24-11-2025	25-11-2025

No. IDU/-4051-63 Dated:- 20-11-2025

DIP/J-8192/25
Dtd: 21-11-2025

Sd/-
ExecutiveEngineer
IrrigationDivision
Udhampur.

संपादकीय

कैंसर को शुरू होने से पहले ही रोकना

अलग-अलग तरह के कैंसर मेडिकल फील्ड में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरे हैं। अलग-अलग उम्र के लगभग सभी तरह के लोग इस बीमारी से जूझ रहे हैं, जिसे आम तौर पर टर्मिनल डिज़ीज़ कहा जाता है। बेशक, मेडिकल प्रोफेशन ने इस फील्ड में काफी तरक्की की है, क्योंकि आज जहां तक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की बात है, तो बहुत कुछ हासिल हुआ है। लेकिन जैसा कि मशहूर कहावत है, इलाज से बेहतर बचाव है, कैंसर को जानलेवा बीमारी का बोझ बढ़ाने से रोकना उन सभी संस्थाओं का आखिरी मकसद होना चाहिए जो इस पूरे मामले में अहमियत रखती हैं। यह दिलचस्प है कि जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट ने कथित तौर पर पांच साल के समय में 9,427 कैंसर के मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से ज़्यादातर मरीज़ तब हॉस्पिटल पहुंचे जब बीमारी स्टेज III और स्टेज IV के बीच एडवांस लेवल पर पहुंच गई थी। इस मामले में ध्यान देने वाली बात यह है कि बहुत से लोग कैंसर के इलाज के लिए ॐ से बाहर जाना पसंद करते हैं, जिससे यह साफ हो जाता है कि जम्मू इलाके से सामने आने वाले कैंसर के मामले ऊपर बताई गई संस्था में रजिस्टर्ड से ज़्यादा हैं। इन ज़रूरी आंकड़ों को देखते हुए, यह ज़रूरी हो गया है कि सरकार के लोग कैंसर को रोकने के उपायों पर ध्यान दें। इसके लिए वे इसके असली कारणों को दूर करने के लिए मिलकर कोशिश करें, जिसमें लाइफस्टाइल के खतरों के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान, तंबाकू और नशीले पदार्थों पर सख्त रेगुलेशन, कम्युनिटी लेवल पर शुरुआती स्क्रीनिंग प्रोग्राम, पर्यावरण प्रदूषण में कमी और सुरक्षित खाने के स्टैंडर्ड पक्का करना शामिल है। बदकिस्मती से, इन सभी बातों पर ध्यान देने की ज़रूरत है क्योंकि अभी का माहौल बहुत खराब है क्योंकि इस्तेमाल होने वाली कई खाने की चीज़ें खतरनाक हैं, हर तरह का प्रदूषण बहुत ज़्यादा है, और शहरों में ज़्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल पर सवाल उठ रहे हैं। यह भी ज़रूरी है कि UT J&K में हेल्थकेयर सिस्टम को बेहतर बनाने की ज़रूरत है क्योंकि अभी चीज़ें धीमी चल रही हैं और लोगों को, खासकर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में, टेस्टिंग और इलाज जैसी सुविधाओं तक समय पर पहुँचना मुश्किल हो रहा है। कुल मिलाकर, पॉलिसी में सुधार, जागरूकता और मज़बूत इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ एक भविष्य की स्ट्रेटेजी कैंसर के मामलों को काफी कम कर सकती है और आने वाली पीढ़ियों की सेहत को सुरक्षित रख सकती है। इसलिए, J&K और दूसरी जगहों पर लोगों की कीमती जानें बचाने के लिए इस दिशा में जल्द से जल्द कदम उठाए जाने चाहिए।

डिजिटल जीवन को व्यक्तिगत गोपनीयता कायम रखकर नियंत्रित किया जाना चाहिए

दुनिया पहले से ही यह समझने की कोशिश कर रही है कि भारत क्या संकेत दे रहा है। बहस एक ही अपरिहार्य प्रश्न पर आकर रुकती है- क्या भारत सरकार कभी खुद को उन्हीं मानकों पर कायम रखेगी जो वह निजी क्षेत्र पर लागू करती है? यह परीक्षण सैद्धांतिक नहीं है। क्या मंत्रालय लाखों नागरिकों को प्रभावित करने वाले डेटा उल्लंघनों की रिपोर्ट करेंगे?

रत ने आखिरकार अपनी लंबे समय से विलंबित डेटा सुरक्षा व्यवस्था को लागू कर दिया है, और पहली नगर में, यह क्षण एक मील का पत्थर जैसा लगता है - 1.4 अरब लोगों का देश उन देशों की श्रेणी में शामिल हो रहा है जो डिजिटल अधिकारों को गंभीरता से लेते हैं। लेकिन आधिकारिक बयानों, अनुपालन की उल्टी गिनती और सावधानीपूर्वक तैयार की गई बयानबाजी को छोड़ दें, तो कुछ और भी परेशान करने वाले तथ्य सामने आते हैं। नए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 कंपनियों और व्यक्तियों से सख्त, लगभग यूरोपीय स्तर के अनुशासन की मांग करते हैं- जबकि भारत सरकार को जब चाहे कानून को दरकिनार करने का एकतरफा अधिकार देते हैं। यही असली कहानी है। नोटिस या समय सीमा नहीं। मूल तथ्य यह है कि सरकार ने अपने लिए एक ऐसा व्यापक रास्ता बना लिया है जो प्रभावी रूप से राज्य को भारत की अपनी गोपनीयता व्यवस्था की परिधि से बाहर कर देता है।यूरोपीय संघ का जीडीपीआर सरकारों और निगमों को एक ही मानक पर रखता है, यही वजह है कि यूरोपीय नियामक नियमित रूप से राज्य एजेंसियों और मंत्रालयों को अदालत में घसीटते हैं। चीन का पीआईपीएल, अपनी तमाम सत्तावादी बेरुखी के बावजूद, कम से कम वैचारिक रूप से सुसंगत है- राज्य सभी डिजिटल डेटा पर सर्वोच्च है और इसे खुले तौर पर घोषित करता है। अमेरिका, अपने खंडित क्षेत्रीय क्षेत्रों के साथ, अभी भी उन एजेंसियों पर निर्भर है जो संरचनात्मक रूप से दिन-प्रतिदिन की राजनीतिक सनक से अछूती हैं। इसके विपरीत, भारत ने कुछ अजीबोगरीब नियम बनाया है - एक ऐसा संकर जो यूरोप से सबसे सख्त कॉर्पोरेट दायित्वों, चीन से सबसे व्यापक राज्य छूटों और अमेरिकी कार्यपालिका के व्यापक विवेकाधीन छूट को उधार लेता है। यह एक गोपनीयता मॉडल है जो तीनों प्रणालियों की कमज़ोरियों को विरासत में लेता है और किसी की भी सुरक्षा नहीं करता।यह विषमता स्पष्ट है। कंपनियों को 72 घंटों के भीतर एन्क्रिप्ट, अनाम, अस्पष्ट, टोकनाइज़ और उल्लंघन रिपोर्ट तैयार करनी होती है। उन्हें पूरे एक साल तक एक्सेस लॉग बनाए रखने होंगे, व्यावसायिक निरंतरता योजनाएं बनानी होंगी, उम्र और अभिभावकों की सहमति सत्यापित करनी होगी, सरल भाषा में सूचनाएं जारी करनी होंगी, शिकायत प्रणाली बनाए रखनी होगी, ऑडिट में निवेश करना होगा और कड़े सुरक्षा नियंत्रणों का पालन करना होगा। कागज़ पर, नागरिकों को अपने डेटा तक पहुंचने, उसे सही करने, उसे मिटाने और सहमति वापस लेने का अधिकार दिया गया है। लेकिन अगर डेटा धारक सरकार है, तो इनमें से किसी की भी गारंटी नहीं है। एक कार्यकारी अधिसूचना- चुपचाप, बिना संसदीय बहस के, बिना न्यायिक समीक्षा के, और बिना किसी प्रकटीकरण दायित्व के- किसी भी सरकारी एजेंसी को कानून के किसी भी मूल प्रावधान से छूट दे सकती है।आधुनिक लोकतंत्र गोपनीयता संरचना का निर्माण इस तरह नहीं करते। यूरोपीय संघ किसी सरकार के लिए व्यक्तिगत डेटा को नियंत्रित करने वाले कानून से खुद को छूट देना अकल्पनीय मानेगा। यहां तक कि चीन की प्रणाली, जो राज्य को व्यापक अधिकार देती है, कम से कम राज्य की सर्वोच्चता को स्पष्ट और सुसंगत रूप से संहिताबद्ध करती है। भारत कुछ और भी अस्पष्ट करता है- यह अधिकारों और नागरिक सशक्तिकरण की भाषा बोलता है, जबकि साथ ही उन अधिकारों को दरकिनार करने की संप्रभु क्षमता भी रखता है जिनका वह सम्मान करता है।प्रवर्तन निकाय, भारतीय डेटा संरक्षण बोर्ड, इस असंतुलन को और बढ़ाता है। इसे एक स्वतंत्र प्राधिकरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन व्यवहार में, यह संरचनात्मक रूप से कार्यपालिका से बंधा हुआ है। इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है। इसका वित्त सरकार पर निर्भर करता है। इसे स्वायत्तता की कोई वैधानिक गारंटी नहीं है। भारत का डीपीबीआई एक प्रशासनिक न्यायाधिकरण के सबसे करीब है-एक ऐसा न्यायाधिकरण जिसकी स्वतंत्रता उसी प्राधिकरण की सद्भावना पर निर्भर करती है जिसकी जांच करने की उसे आवश्यकता हो सकती है। इस तरह से डिज़ाइन किया गया एक नियामक एक प्रति संतुलन के रूप में कार्य नहीं कर सकता।एक दशक पहले, जब भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा अभी नया था, यह शायद सहनीय होता। आज, दांव कहीं ज़्यादा ऊंचे हैं। भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा प्रोसेसिंग, क्लाउड बुनियादी ढांचे और सीमा पार डेटा प्रवाह का एक वैश्विक केंद्र बनना चाहता है। वह चाहता है कि विदेशी कंपनियां यहां एआई मॉडल बनाएं, यहां सर्वर होस्ट करें, यहां अनुसंधान प्रयोगशालाएं लाएं। लेकिन इन फैसलों को नियंत्रित करने वाले नियम - पर्याप्तता की शर्तें, सीमा पार हस्तांतरण आदि -एमएस, विदेशी निगरानी सुरक्षा उपाय, महत्वपूर्ण डेटा फिड्यूशरीज़ के मानदंड - सभी को अस्पष्ट छोड़ दिया गया है या भविष्य की अधिसूचनाओं के लिए टाल दिया गया है।कागज पर, भारत की सुरक्षा दुनिया में सबसे मजबूत में से एक है। नाबालिगों के लिए लक्षित विज्ञापन प्रतिबंधित है। प्रोफाइलिंग सीमित है। सत्यापन योग्य माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। ये कठोर मानक हैं,अमेरिका में सीओपीपीए से अधिक मजबूत और जीडीपीआर की सबसे सख्त व्याख्याओं के बराबर। लेकिन नियम इन सुरक्षाओं को सरकार पर लागू करने से चूक जाते हैं। स्कूल डेटाबेस, छात्रवृत्ति पोर्टल और आधार से जुड़ी कल्याणकारी प्रणालियों को पूरी तरह से छूट दी जा सकती है। इसका मतलब है कि भारत ने एक ऐसी व्यवस्था बना दी है जहां एक निजी ट्यूशन ऐप को बच्चे के डेटा की सुरक्षा के लिए कई चरणों से गुजरना पड़ता है, लेकिन कहीं अधिक संवेदनशील जानकारी रखने वाला सरकारी विभाग ऐसा न करने का विकल्प चुन सकता है। कोई भी उदार लोकतंत्र राज्य को बच्चों के व्यक्तिगत डेटा पर इतनी व्यापक स्वतंत्रता नहीं देता। भारत ने इसे सामान्य बना दिया है।

दुनिया पहले से ही यह समझने की कोशिश कर रही है कि भारत क्या संकेत दे रहा है। बहस एक ही अपरिहार्य प्रश्न पर आकर रुकती है- क्या भारत सरकार कभी खुद को उन्हीं मानकों पर कायम रखेगी जो वह निजी क्षेत्र पर लागू करती है? यह परीक्षण सैद्धांतिक नहीं है। क्या मंत्रालय लाखों नागरिकों को प्रभावित करने वाले डेटा उल्लंघनों की रिपोर्ट करेंगे? क्या डीपीबीआई के आदेश सार्वजनिक जांच के लिए पूर्णरूप से प्रकाशित किए जाएंगे? क्या छूट समय के साथ कम होती जाएंगी, या वे तब तक बढ़ती जाएंगी जब तक कि वे नियम को स्वीकार नहीं कर लेते? दुनिया की हर बड़ी गोपनीयता व्यवस्था इसी मूल सिद्धांत पर टिकी है या खत्म हो जाती है-कि कानून राज्य को बांधता है, सिर्फ नागरिक को नहीं।अगर भारत को एक गंभीर डिजिटल लोकतंत्र के रूप में देखा जाना है, तो वह अपनी गोपनीयता व्यवस्था को कार्यकारी शॉर्टकट्स पर नहीं बना सकता। वह नागरिक अधिकारों का ढिंढोरा पीटते हुए उन्हें खामोश सूचनाओं से कमज़ोर नहीं कर सकता। वह अंतरराष्ट्रीय डेटा प्रवाह के नियमों को खुला रखते हुए वैश्विक कंपनियों से विश्वास की मांग नहीं कर सकता। फिर वह नियंत्रण की संरचना को दरकिनार करने का अधिकार अपने लिए सुरक्षित रखते हुए व्यक्तियों को उनके डेटा पर नियंत्रण का वायदा नहीं कर सकता।

एक गोपनीयता कानून जो कंपनियों पर लगाम लगाता है लेकिन राज्य को बख्शता है, वह गोपनीयता कानून नहीं है। यह अधिकारों की सुरक्षा के नाम पर प्रशासनिक व्यवस्था है। भारत अभी भी इसे ठीक कर सकता है-छूटों को कम करके, निगरानी को मज़बूत करके, नियामक स्वतंत्रता की गारंटी देकर और यह स्वीकार करके कि डेटा-समृद्ध युग में, राज्य इस पारिस्थितिकी तंत्र में सबसे शक्तिशाली कर्ता है। लेकिन जब तक इस आधारभूत विरोधाभास का सामना नहीं किया जाता, देश आकांक्षा और वास्तविकता के बीच फंसा रहेगा- एक ऐसा लोकतंत्र जो सैद्धांतिक रूप से डिजिटल अधिकारों का जश्न मनाता है, जबकि डिजिटल जीवन को इस तरह नियंत्रित करता है कि वास्तविक गोपनीयता हमेशा पहुंच से बाहर रहती है।

आतंकवाद पर विपक्ष की विकृत राजनीति

मृत्युंजय दीक्षित

राजधानी दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को हुए लाल किला कार बम धमाके की जांच, अत्याधुनिक वैज्ञानिक पद्धति से की जा रही है। जांच से जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वह भयावह है। ये आतंकवादी डॉक्टर्स रॉकेट और ड्रोन जैसी चीज़ें बना रहे थे और राजधानी दिल्ली पर हमास की स्टाइल में हमले का षड्यंत्र रच रहे थे। इस आतंकवादी समूह ने 32 कार बम धमाका करने की योजना बनाई थी। ये हजारों हिन्दुओं को मार कर बाबरी विध्वंस का बदला लेना चाहते थे। दिल्ली लालकिला धमाके की जांच अभी चल रही है और हर दिन खूंखार और सफेदपोश अपराधी पकड़े जा रहे हैं।

जहाँ एक ओर सभी सुरक्षा एजेंसियां मिलकर अपराधियों की खोजबीन में लगी हैं वहीं विरोधी दल परोक्ष रूप से आतंकवादियों के बचाव में लगे हैं। धमाके के कुछ समय बाद ही विपक्षी पार्टियों ने सोशल मीडिया में यह प्रोपेगेंडा चला दिया कि बम धमाका बिहार चुनाव के मद्देनजर हुआ है। आतंकवाद के विरोध में कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया बहुत ठंडी व सीमित रही। विरोधियों ने आतंकवादियों के स्थान पर अपनी सुरक्षा एजेंसियों को ही कठघरे में खड़ा किया। पूर्व गृहमंत्री पी चिदम्बरम जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान आतंकवाद के खिलाफ कोई ठोस कठम नहीं उठाया उनका एक बहुत लंबा-चौड़ा पोस्ट आता है जिसमें वह दो प्रकार के आतंकियों से देश को खतरा बताते हैं और परोक्ष रूप से हिन्दुओं को कोसते हैं। चिदंबरम वही पूर्व गृहमंत्री हैं जिन्होंने हिंदू आतंकवाद व भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़े थे, उनके कार्यकाल में ही इंडियन मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन पनपे तब पी चिदम्बरम ने उनको रोकने के लिए कुछ नहीं किया अपितु उनके कार्यकाल में हुए आतंकी धमाकों के अपराधियों के विरुद्ध कमज़ोर केस बनाए गए जिससे बाद में वो बरी हो जाएं। कांग्रेस के एक पूर्व सांसद हुसैन दलवई ने दो हाथ आगे निकलते हुए कहा कि यह धमाका कश्मीर में हो रहे अन्याय का परिणाम भी हो सकता है और उन्होंने इसमें राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ की भूमिका भी जांच की मांग कर डाली। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने आतंकवाद की घटना में पकड़े जा रहे युवाओं को भटका हुआ युवा बता दिया। जम्मू-कश्मीर में पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती तो सदा से ही आतंकवाद का समर्थन व सरंक्षण करने वाले बयान देती रहती हैं तो इस बार भी वही कर रही हैं। यही हाल वहां के सत्तारूढ़ अब्दुला परिवार का है। समाजवादी नेता अबू आजमी को भी यह बात अच्छी नहीं लग रही कि दिल्ली बम धमाके में इतने सारे डाक्टर्स पकड़े जा रहे हैं। संपूर्ण विपक्ष कही न कहीं, किसी न किसी रूप में आतंक की पैरवी करता नजर आ रहा है। यह वही विपक्ष है जिसके नेता सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगते फिरते हैं और ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत सरकार का साथ देने की बजाए चीन और पाकिस्तान की भाषा बोलते नजर आ रहे थे। आज संपूर्ण विपक्ष आतंकवाद का प्रचारक बन गया है। यह दल और इनके नेता इस्लामिक आतंकवाद की निंदा नहीं करते अपितु जब आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई प्रारंभ होती है तब ऐसी-ऐसी बयानबाजी करते हैं कि जांच की दिशा और दशा प्रभावित हो जाए। कांग्रेस के दिग्विजय सिंह सरीखे लोग मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए ओसामा जी और साहब जैसे संबोधन प्रयोग करते हैं। इनका राष्ट्रीय विचार कुछ नहीं है सिर्फ अपने वोट बैंक को साधना है। दिल्ली बम धमाके के बाद कांग्रेस नेताओं के बयानों से सिद्ध हो गया है कि कांग्रेस कट्टरपंथी मुस्लिम तुष्टिकरण में किसी भी सीमा तक जा सकती है। उसके नेताओं के बयान यह आभास भी दे रहे हैं कि अगर इस समय गलती से भी उनके नेतृत्व वाली सरकार होती तो कार बम धमाके को महज सीएनजी धमाका कहकर छोड़ दिया जाता या फिर इसके पीछे षड्यंत्र करके एक बार फिर हिंदू आतंकवाद के एंगल से जांच कर संघ को बदनाम किया जाता। सौभाग्य से वर्तमान में केंद्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार है। गृहमंत्री अमित शाह स्पष्ट कर चुके हैं कि हम आतंकियों को पाताल से भी खोज कर लाएंगे और कठोरतम दंड देंगे। सुरक्षा एजेंसियां अपराधियों को ढूँढने में लगी हैं। दिल्ली कार बम धमाके की जांच की तह तक पहुंचना सरकार का पहला लक्ष्य है। षड्यंत्र की सभी परतें खुलने और सभी प्रमाण हाथ में आ जाने के बाद ही सरकार आगे की कार्रवाई करेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

जिहाद को रोकने के लिए सभी को विचार करना होगा

अरुण कुमार दीक्षित

राष्ट्र विरोधी ताकतें पुनः सक्रिय हैं। वे शांति नहीं पसंद करती हैं। उन्हें हिंसा आनंदित करती है। वह हिंसक हैं। हमलावर हैं। रक्त पिपासु हैं। उनके हमले सदियों से जारी हैं। वह थोड़ा रुकते हैं फिर गोला-बारूद का इंतजाम करते हैं। बमों से भारत को रक्त रंजित करते हैं। निर्दोषों की हत्यायें करते हैं।

गत 11 नवम्बर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के निकट बम धमाकों में 13 से अधिक निर्दोष नागरिक मारे गए। 32 घायल हुए। जम्मू के नौगाम में भी बम धमाके में लोगों की मौते हुई हैं।

भारत विरोधी यह कार्रवाई प्राचीन काल से जारी है। नाम बदल जाते हैं। मगर उनका लक्ष्य भारत को ॐदारुल हरबॐ बनाना है। भारत ही क्यों पूरी दुनिया में आतंकी हमलावर हैं। उनका जिहादी विचार हिंसा से ही जन्मा है और जन्म के गुणसूत्र प्रायः नष्ट नहीं होते हैं। यह हमले सिंध के रास्ते 712 ई0 से भारत पर जारी हैं। हम सब भारत के लोग प्रतिदिन शांति पाठ करते हैं। हम भोजन भी शांति पाठ से करते हैं। वे भोजन को भी हिंसा से ही शुरू करते हैं। उनकी हिंसा भारत के विरुद्ध लगातार जंग ही है। हम सहिष्णु हैं। हम शांतिवादी पहले से हैं। हम सब राष्ट्रवादी, समाजवादी, बहुजनवादी, बाद में है। वह जिहादी आतंकवादी हैं। अलग-अलग रंग के भाषा बोली के हो सकते हैं। उनका भारत के विरुद्ध धर्म जिहाद है। यह ॐदारुल हरबॐ की कार्रवाई है। वे मानते हैं इस घृणित निंदित कार्रवाई में अल्लाह उन्हें जन्नत बख्सेगा। जन्नत के सपने (ख्वाब) दिखाकर आतंकी संगठन अपना हिंसक परिवार बढ़ाते हैं। बहुसंख्यक इस पर ध्यान नही देते हैं।

गौतम बुद्ध और महावीर लगातार शांति, अहिंसा के उपदेश देते रहे। उनकी देशनायें उपयोगी हैं भी। भारत के लोगों ने उनकी शांति अहिंसा को अपनी जीवन शैली का भाग बनाया। महाभारत के बाद महाभारत जैसा युद्ध पृथ्वी पर फिर नहीं हुआ है। तब से लगातार शांति की यात्रा में भारत रहता आया है। हम शांति की अभीप्सा पैदा करते हैं। वसुधैव कुटुंब के अभिलाषी हैं। निष्कपट निश्छल, सरल तरल,सौम्य वात्सल्य से भरा समाज राष्ट्र निर्मित करने में विश्वास रखते हैं। मगर आतंकवादी अलगाववादी हमारा प्रेम रस नहीं देख पाते। उन्हें हम भारत के लोग (कुफ़्र) काफिर ही दिखाई देते हैं। काफ़िर को लेकर उनकी जो विचारधारा है वह हत्या कर देने की ही है। वह अपनी ड्यूटी पर हैं। वह खुदा के मार्ग पर हैं कि खुदा निर्दोष लोगों के रक्त बहाने से प्रसन्न होगा। क्या कोई पैगंबर रसूल निर्दोष मनुष्यों के रक्त से प्रसन्न होता होगा अथवा होता है?

पूरी दुनिया में इस्लामिक आतंकवाद को लेकर बहस है। सैनिकों से झड़पें हैं। सैन्य अधिकारियों की हत्याएं हैं तो भी आतंकवादी समूह बढ़ रहे हैं। उनके पास गोला -बारूद बढ़ रहा है। अत्याधुनिक हथियार पहुंच रहे हैं कैसे? इसका जिम्मेदार कौन? अनेक राष्ट्रों के बीच आतंकी कार्रवाई के लिए यह बारूद कौन उपलब्ध कराता है? आतंकी भारत में अपनी योजना में कैसे सफल हो जाते हैं ? यह यक्ष प्रश्न है। उनकी योजना में भारत के निवासी शामिल है? पूर्व में भी अकाट्य रूप से प्रमाणित हो चुका है कि आतंकी हमले सांठगांठ से हुए। एक बार फिर तथ्यात्मक रूप से खुफिया एजेंसियों को प्रमाण मिले हैं कि तार कहां से जुड़े हैं। आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक दलों में मतभेद है। राजनीतिक दल आतंकी हमले से व्यथित नहीं दिखाई देते हैं। वह चुनाव को सर्वोपरि मानते हैं, राष्ट्र को नहीं। दलों के लिए चुनाव संजीवनी है। निर्दोष लोग बमों-गोलियों से उड़ा दिया जाते हैं। यह दलों के लिए कुछ निंदा-भर्त्सना मात्र है। एक आंकड़ा भर है। मगर उन परिवारों को जिनके बच्चे बिलख रहे हैं। माताएं फफक रही हैं। कई अनाथ हैं, कई के परिवार नहीं बचे हैं। कई के शवों के टुकड़े खोजने पड़ते हैं। यह राजनीतिक संवेदन शून्य लोग केवल राजनीति में जुटे रहते हैं।

जिहाद के विरुद्ध राजनीतिक दल एकजुट होकर काम करें मगर यह नहीं हो रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा आतंकवाद के प्रमुख कारण क्या है? आतंकवादी कहां से आते हैं? आतंकवादियों का संरक्षक कौन है? घटना के बाद आतंकवादी कहां छिपते हैं ? उनके मददगार कौन है? आतंकी घटनाओं के बाद राजनीतिक दलों के नेताओं के टीवी और अखबारों में वक्तव्य होते हैं। आतंकवादियों पर कार्रवाई के समय वही दल उनके पक्ष में दिखते हैं। ऐसे दलों पर शिकंजा होना चाहिए। कुछ विपक्षी दलों द्वारा अनेक आतंकी घटनाओं को भगवा आतंकवाद की करतूत कुछ वर्ष पहले बताया गया था। यह भ्रमित और छद्म कार्रवाई का एजेंडा है। जिहाद के स्वरूप को समझना होगा। आखिर जिहाद के एजेंडे को राजनीतिक दल समझ क्यों नहीं रहे हैं। जिहाद के सूक्ष्म तत्व और उसके सूत्रों का अभी तक क्या अध्ययन करना शेष है? जबकि दारूल इस्लाम बनाना उनके लक्ष्य है। दारूल इस्लाम अर्थात इस्लामी शासन व्यवस्था लागू करना। दारुल हरब यानी जहां पर काफिरों का शासन हो।

भारत की राजनीति भारतीय संस्कृति के अनुसार ही होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को यह अधिकार देना कि वे राष्ट्रद्रोह को भारत को खंड-खंड करने वालों के साथ आसानी से खड़े रह सकते हैं कदापि उचित नहीं है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसको लेकर पहले प्रबुद्ध जन सहित सभी जिहाद को ठीक से समझें। अभी तो यही है कि बम फेंका गया कुछ लोग मर गए। संचार माध्यमों से सरकारी पार्टी और प्रतिपक्षियों के बयान आ गए। सबने समाचार पत्र पढ़ लिए। दो-तीन दिन चर्चा हुई बात खत्म हुई। वही जिहादी अगले हमले की तैयारी में रहते हैं। आखिर यह कब समझा जाएगा कि ॐइस्लामी जिहादॐ भारत के विरुद्ध जंग ही है। जिहाद के विरुद्ध खुली बात करने का समय आ गया है। वहीं सर्वदलीय सभी विचारधाराओं को इस पर एक कड़ा और बड़ा अभियान करना होगा। जिहाद से लड़ना होगा। भारत के पढ़े-लिखे प्रबुद्ध जन भी यह मानते हैं कि जिहाद से लड़ना सेना की, पुलिस की, सरकार की, अधिकारियों की ही जिम्मेदारी है। सबकी जिम्मेदारी है। सब राष्ट्र हित के लिए आगे आएं। इसमें सरकार बात करे। विपक्षी दल बात करें। जो तटस्थ हैं वह भी आगे आएं तब ही जिहाद के विरुद्ध लड़ाई होगी। जिहाद को समाप्त नहीं करेंगे तो स्वयं समाप्त होने के लिए तैयार रहें।

भारत में जिहाद बड़ा खतरा है। परिणाम भयंकर होंगे। सभी उसकी सीमा के भीतर हैं। यह भारत की बात हो अथवा दुनिया के किसी देश की जिहाद को झेलना पड़ेगा। अभी यह माना जाता है कि राष्ट्रों के विकसित होने से संपूर्ण जनों के सुशिक्षित हो जाने से हिंसा रुकेगी। जबकि ऐसा नहीं है। जिहादी संगठनों में प्रायः सभी उच्च शिक्षित ही पाए जाते हैं। विकास का जेहाद रोकने में कम से कम कोई योगदान नहीं हो सकता है। जितना अधिक हाईटेक हथियार उतना हाईटेक जिहाद। वैज्ञानिक विकास के साथ बढ़ता जिहाद। जिहाद विचार है इस विचार के विरुद्ध विचार हो तो रुकेगा जिहाद। नहीं तो घटनाएं हो रही हैं। लोग मारे जा रहे हैं। निंदा हो रही है, कानून बना रहे हैं। जिहाद बढ़ रहा है। बढ़ते संकट के बीच आशा की जा रही है कि केन्द्र सरकार खुफिया एजेंसियों को जिस तरह निर्देश हैं कि वे इस नेटवर्क को खोज कर समाप्त करें दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गौतम बुद्ध और महावीर लगातार शांति, अहिंसा के उपदेश देते रहे। उनकी देशनायें उपयोगी हैं भी। भारत के लोगों ने उनकी शांति अहिंसा को अपनी जीवन शैली का भाग बनाया। महाभारत के बाद महाभारत जैसा युद्ध पृथ्वी पर फिर नहीं हुआ है। तब से लगातार शांति की यात्रा में भारत रहता आया है। हम शांति की अभीप्सा पैदा करते हैं। वसुधैव कुटुंब के अभिलाषी हैं। निष्कपट निश्छल, सरल तरल,सौम्य वात्सल्य से भरा समाज राष्ट्र निर्मित करने में विश्वास रखते हैं। मगर आतंकवादी अलगाववादी हमारा प्रेम रस नहीं देख पाते। उन्हें हम भारत के लोग (कुफ़्र) काफिर ही दिखाई देते हैं। काफ़िर को लेकर उनकी जो विचारधारा है वह हत्या कर देने की ही है। वह अपनी ड्यूटी पर हैं।

'जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा', पिच पर बोले दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा

एजेंसी

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स की मुश्किल पिच पर हार के बाद भारत 0-1 से पीछे है। बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, 'जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।' प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा, 'लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था।' बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी।

क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में बने रहने का क्या है फॉर्मूला, जोश हेजलवुड ने किया खुलासा

नई दिल्ली। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को लगता है कि ध्यान से प्लानिंग और स्ट्रैटेजी बनाकर क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में बैलेंस बनाना मुमकिन है। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज़ों में से एक हैं और पैट कमिंस के साथ लगातार सभी फॉर्मैट खेले हैं। हेजलवुड ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पॉडकास्ट में कहा, 'मुझे लगता है कि (सभी फॉर्मैट में खेलना) कुछ हद तक मुमकिन है। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट बहुत बेहतर हो रहा है। पांच मैचों की सीरीज में मैच 1, 3 और 5, या 1, 2 और 3 खेलना और फिर कुछ हफ़्तों के लिए घर जाना सिर्फ रिफ्रेश होने के लिए या कोई एक गेम मिस करना या ऐसा ही कुछ...' उन्होंने कहा, '...बस, एक हफ़्ते के लिए घर जाओ और उस समय का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करो और रिफ्रेश होकर ग्रुप में वापस आओ। इसलिए मुझे लगता है, पूरी सीरीज में आराम नहीं करना बल्कि अपने पलों को चुनना, मुझे लगता है कि यह हमारी सबसे बड़ी (टीम) मीटिंग है, कैलेंडर देखो, ठीक से देखो कि हम क्या खेलना चाहते हैं।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

बेंगलुरु : देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ष्ठ मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया। ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे। देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज़ के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा। ग्रुप ष्ठ में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं।

कर्नाटक टीम : मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वाथ कवरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल

कुलदीप यादव का एक गेंदबाज के तौर पर कैसा रहता है नजरिया, दूसरे टेस्ट से पूर्व बोला गेंदबाज

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के स्पिनर कुलदीप यादव सुर्खियों में हैं। पहले टेस्ट में हार के बाद यह मुकाबला भारत के लिए बेहद अहम है, और इस मैच से पहले कुलदीप ने एक अटैकिंग बॉलर के रूप में अपनी सोच और भूमिका को खुलकर साझा किया। उन्होंने कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के समर्थन को अपना आत्मविश्वास बढ़ाने वाला मुख्य कारण बताया। कुलदीप का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन इसका लुत्फ़ ही अलग है और आने वाले वर्ष उनके करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। गुवाहाटी टेस्ट से पहले कुलदीप यादव ने बताया कि वह खुद को हमेशा एक अटैकिंग बॉलर के रूप में देखते हैं। जियोस्टार से बातचीत में उन्होंने कहा कि वर्षों तक टीम में खेलते हुए उन्होंने अपनी भूमिका और जिम्मेदारी को स्पष्ट रूप से समझा है। उन्होंने कहा, 'मैं एक अटैकिंग बॉलर हूं और मेरा काम विकेट लेना है। कोच और कप्तान ने मुझे पूरी तरह सपोर्ट किया है, जिस वजह से मुझे हमेशा क्लैरिटी रहती है। मैं जब भी गेंदबाज़ी करता हूं, मेरा फोकस सिर्फ़ अटैक पर होता है।' कुलदीप ने आगे कहा कि उनकी बॉलिंग उसी अंदाज़ में तैयार की जाती है जहां विकेट लेने के मौके अधिक बनें, चाहे पिच कैसा भी व्यवहार कर रही हो।

रांची में भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच के लिए तैयारियां तेज

टिकट की ऑनलाइन बिक्री शुरू

एजेंसी

रांची। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले वनडे मैच को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। स्टेडियम को आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है और पुलिस टीमें पूरी सतर्कता के साथ अपनी तैयारी कर रही हैं।

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने बताया कि मैच को यादगार बनाने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। दोनों टीमें 27 नवंबर को चार्टर्ड प्लेन से रांची पहुंचेगी। एयरपोर्ट से

खिलाड़ियों को सीधे होटल ले जाया जाएगा। सुरक्षा के लिए विशेष रूट और अतिरिक्त जवानों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर से टिकट ऑनलाइन मिलना शुरू होगा। ऑफलाइन टिकट 25 नवंबर से सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्टेडियम टिकट काउंटर पर मिलेगा। किसी भी उम्र के बच्चे को प्रवेश के लिए अलग टिकट लेना अनिवार्य होगा।

टिकट दरें

विंग ए (निचला): 1,600विंग बी (ऊपरी): 1,300विंग सी (ऊपरी): 2,200विंग डी (निचला): 2,000स्पाइस बॉक्सः 1,900ईस्ट/वेस्ट हिल (ओपन एरिया): 1,200अमिताभ चौधरी पवेलियन (प्रीमियम टैरेस): 2,400प्रेसिडेंट्स एनक्लोजरः 12,000 (आतिथ्य सहित)हॉस्पिटैलिटी बॉक्सः 7,000 (आतिथ्य सहित)कॉर्पोरेट बॉक्सः 6,000 (आतिथ्य सहित)कॉर्पोरेट लाउंजः 10,000 (आतिथ्य सहित)एमएस धोनी पवेलियन (लक्ज़री सीट): 7,500डोनर्स एनक्लोजरः 1,600पानी की बोतल छोड़कर कोई भी खाद्य पदार्थ स्टेडियम में ले जाना प्रतिबंधित है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम 30 नवंबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। पहला मैच रांची में खेला जाएगा। इसके बाद 3 दिसंबर को दूसरा छत्तीसगढ़ के रायपुर और 6 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में तीसरा वनडे मैच खेला जाएगा।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जस्टिन लैंगर बने 'निवीकैप' के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

लखनऊ। ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करने की इच्छा रखने वाले भारतीय छात्रों के लिए पहला डिजिटल सॉल्यूशन्स प्लेटफ़ॉर्म निवीकैप लॉन्च हो गया है।इस पहल को मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर और पूर्व कोच जस्टिन लैंगर को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। ज़िकसु ऑस्ट्रेलिया के संस्थापक कार्तिक श्रीनिवासन द्वारा विकसित निवीकैप एक सुरक्षित, पारदर्शी और नॉन-बैंकिंग डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है, जो छात्रों व अभिभावकों को प्री-एडमिशन से पोस्ट-अराइवल तक एकीकृत सहायता प्रदान करता है। इसमें लोन डिस्कवरी, आवेदन सहायता, फ़ॉरेक्स मार्गदर्शन और पोस्ट-अराइवल सपोर्ट जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। भारत अब ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। 2025 में लगभग 1,37,703 भारतीय छात्रों ने वहाँ अध्ययन प्रारंभ या जारी रखा। बढ़ती मांग के बावजूद, जटिल वित्तीय प्रक्रियाएँ अभी भी छात्रों, खासकर टियर-2 और टियर-3 शहरों के परिवारों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। निवीकैप इस यात्रा को सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। संस्थापक कार्तिक श्रीनिवासन ने कहा कि उन्होंने स्वयं भारत से ऑस्ट्रेलिया तक की कठिन यात्रा का अनुभव किया है–दस्तावेज़ी चुनौतियाँ, वित्तीय प्रक्रियाएँ और भावनात्मक दबाव। यही अनुभव निवीकैप के निर्माण का आधार बना, ताकि छात्र अपने सपनों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकें। ब्रांड एंबेसडर जस्टिन लैंगर ने कहा कि निवीकैप छात्रों और अभिभावकों के लिए एक भरोसेमंद साथी है, जो उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा देता है। ऑस्ट्रेड के दक्षिण एशिया प्रमुख मुकुंद नारायणमूर्ति ने इसे भारत-ऑस्ट्रेलिया शिक्षा संबंधों को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रदेश स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता : रोमांचक मुकाबलों के नाम रहा दूसरा दिन

एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता के दूसरे दिन मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन सिंह चौहान रहे। उनका स्वागत क्रीड़ा अधिकारी महमूदाबाद राजेश कुमार सोनकर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया, जबकि प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी सीतापुर संजीव कुमार सिंह ने उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के महासचिव राजेश कुमार सिंह, संघ के चेयरमैन विनोद कुमार यादव, निर्णायक मंडल के सदस्य, जिला व्यायाम शिक्षक राज शर्मा, खेल प्रशिक्षक सुरेंद्र कुमार लाल, अरुण गौतम, मयंक आनंद, देवेंद्र कुमार, महमूदाबाद के प्रशिक्षक आनंद कुमार सोनकर, जय शंकर सहित खेल कार्यालय का स्टाफ और बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

दिन भर के मुकाबले और

परिणामआज दूसरे दिन खेले गए मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे– अमेठी छात्रावास ने गोरखपुर को 32-22 से हराया जबकि प्रयागराज ने चित्रकूट को 23-03 से मात दी। इसी प्रकार आजमगढ़ ने बस्ती को 18-07 से हराया और देवीपाटन ने कानपुर पर 36-10 से जीत दर्ज की । वाराणसी ने कानपुर को 40-24 से, लखनऊ ने अयोध्या को 27-17 से, अलीगढ़ ने बरेली को 25-12 से, झांसी ने मिर्जापुर को 23-07 से और गोरखपुर ने आगरा को 30-25 से मात दी; मुरादाबाद ने प्रयागराज पर 16-07 से जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के अगले दौर के मुकाबलों के लिए खिलाड़ियों में उत्साह साफ नजर आ रहा है और आयोजन समिति के अनुसार आगे के मैच और भी ज्यादा रोमांचक होने की उम्मीद है।

प्रणवी उर्स ने रचा इतिहास, पुरुष खिलाड़ियों को पछाड़ आईजीपीएल मुंबई खिताब जीता

एजेंसी

मुंबई। भारतीय गोल्फ में एक नया इतिहास तब बना जब प्रणवी उर्स ने पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेले जाने वाले आईजीपीएल इनवाइटेशनल मुंबई में शानदार जीत दर्ज की। यह पहली बार है जब किसी भारतीय महिला गोल्फर ने पुरुषों के बीच आयोजित किसी प्रोफेशनल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। बॉम्बे प्रेसिडेंसी गोल्फ क्लब के पार-68 कोर्स पर खेले गए फाइनल राउंड में प्रणवी ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए 8-अंडर 60 का कार्ड जमा किया, जो पूरे सप्ताह का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। आईजीपीएल में अपना पहला मुकाबला खेल रहीं प्रणवी, रातोंरात लीडर और अपने बॉयफ्रेंड करणदीप कोचर से दो शॉट पीछे थीं। लेकिन फाइनल दिन उनकी सधी हुई गोल्फ और लगातार आठ बर्डीज़ ने उन्हें कुल 14-अंडर पर पहुंचा दिया। कोचर ने बेहतरीन खेल के साथ 64 का कार्ड बनाया और दो ईगल लगाए, लेकिन वे 12-अंडर पर दूसरे स्थान पर रहे। कोचर ने प्रणवी की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे

शुरुआत से ही लग रहा था कि वह जीतेंगी। वह पूरे सप्ताह कमाल खेलती रहीं और आज तो वह सभी को पछाड़ गईं। ' प्रणवी ने जीत के बाद कहा, 'अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि मैंने यह कर दिखाया। लड़कों के साथ खेलना एक अलग अनुभव है और यह फॉर्मेट हमें अपने खेल का स्तर परखने का बेहतरीन मौका देता है। तीसरे स्थान पर रहे सचिन बैंसोया ने 6-अंडर 62 का मजबूत फाइनल राउंड खेला, लेकिन कुल 11-अंडर के स्कोर के बावजूद शीर्ष दो खिलाड़ियों को पकड़ नहीं सके। पिछले आईजीपीएल इवेंट के विजेता पुखराज सिंह गिल 8-अंडर के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि युवा अमेचर रणवीर मित्रो ने शानदार 7-अंडर 61 खेलकर पांचवां स्थान हासिल किया।प्रणवी पूरे दिन बोगी-फ्री रहीं और फ्रंट नाइन में चार तथा बैक नाइन में चार बर्डीज़ के साथ मजबूत बढ़त बनाए रखी। 16वें होल पर बर्डी ने उनकी जीत लगभग पक्की कर दी, जिसके बाद 18वें होल पर एक और बर्डी ने इतिहास को मुहर दे दी।

हॉकी इंडिया ने पेश किया नया कैंपेन 'बिग इज बिग, हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025/26 का प्रोमो हुआ लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचाईएल) के 2025/26 सीजन के लिए नया आधिकारिक प्रोमो जारी करते हुए अपने ताज़ा ब्रांड लाइन 'बिग इज बिग' का अनावरण किया। यह कैंपेन लीग की भव्य वापसी की घोषणा करता है और संकेत देता है कि आगामी सीजन पैमाने, ऊर्जा और दर्शक अनुभव के मामले में अब तक का सबसे बड़ा होगा। नए कैंपेन की क्रिएटिव दिशा हॉकी की गति, ताकत और रोमांच को केंद्र में रखती है। प्रोमो देशभर के हॉकी प्रशंसकों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसे कई प्लेटफॉर्म्स और बाजारों में पेश किया जाएगा, ताकि लीग की अधिकतम दृश्यता सुनिश्चित की जा सके। 2024 में एचआईएल की वापसी बेहद सफल रही थी। प्रसार भारती और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के सहयोग से लीग ने 40.8 मिलियन की कुल दर्शक पहुंच दर्ज की, जो 2017 सीजन की तुलना में 48% अधिक थी।

- पुरुष फाइनल को 3.07 मिलियन दर्शकों ने देखा।
- सबसे अधिक देखे गए महिला मुकाबले को 2.92 मिलियन व्यू मिले।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लीग का दायरा बढ़ा और यह टीवी व ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के जरिए 18 देशों में 5 मिलियन से अधिक दर्शकों तक पहुंची। ोशल मीडिया पर भी लीग ने शानदार प्रदर्शन किया और तीनों प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर 01 अरब से ज्यादा व्यूज दर्ज किए।

360-डिग्री मार्केटिंग रणनीति

आगामी सीजन के लिए 360-डिग्री मार्केटिंग रणनीति तैयार की गई है।

- एनिमेटेड प्रोमो फिल्में हर फ्रेंचाइज़ी शहर को जीवंत रूप में दिखाएंगी
- आउटडोर इंस्टॉलेशन देशभर में चर्चा बढ़ाएंगे
- टीवी, रेडियो, ह्वज्ञज्ञ और डिजिटल माध्यमों पर मजबूत उपस्थिति
- सोशल मीडिया पर रील्स, खिलाड़ी फीचर्स, बिहाइंड-द-सीन कंटेंट और इंफ्लुएंसर सहयोग से प्रशंसकों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी

हॉकी इंडिया अधिकारियों की प्रतिक्रिया

एचआईएल गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन डॉ दिलीप तिरकी ने कहा, 'प्रोमो लॉन्च के साथ नई काउंटडाउन शुरू हो चुकी है। इस बार लीग पहले से बड़ी और बेहतर होगी। हमारा लक्ष्य है कि हॉकी को अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए और नई पीढ़ी को प्रेरित किया जाए। '

गवर्निंग कमेटी सदस्य भोलानाथ सिंह ने कहा, 'हम चाहते हैं कि एचआईएल की वापसी दर्शकों के लिए रोमांचक और सरल हो। यह कैंपेन लीग में नई ऊर्जा भरता है और बड़ा अनुभव देने का वादा करता है। 'सीजन का कार्यक्रम

- महिला लीगः 28 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026, रांची
- पुरुष लीगः 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026, चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर

नई पहचान और बढ़े हुए पैमाने के साथ HIL 2025/26 भारतीय हॉकी को नए मुकाम पर ले जाने के लिए तैयार है।

पीजीडीएवी कॉलेज ने लगातार दूसरी बार जीती दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पीजीडीएवी कॉलेज ने दिल्ली विश्वविद्यालय इंटर कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। प्रतियोगिता के फाइनल में पीजीडीएवी कॉलेज ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच का विजय गोल टीम के कप्तान विकास वर्मा ने किया।

अनमोल, रुद्रांश, निशांत शाह और कार्की टीम के कुछ ऐसे खिलाड़ी रहे, जिन्होंने पीजीडीएवी कॉलेज को चैंपियनशिप का ताज बरकरार रखने में मदद की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार ने छात्रों और शारीरिक शिक्षा विभाग को इस सफलता के लिए बधाई और अपनी शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में आईजीआईपीईएसएस टीम को तीसरा और सेंट स्टीफन कॉलेज टीम को चौथा स्थान मिला। लीग मैचों में पीजीडीएवी कॉलेज ने डॉ. भीम राव अंबेडकर कॉलेज को 3-1 से हराया, जिसमें रुद्रांश ने हैट्रिक बनाई। फिर हंसराज कॉलेज को 3-0 से हराया,

जिसमें अनमोल, निशांत और विकास ने एक-एक गोल किए। सेमीफाइनल मैच में पीजीडीएवी कॉलेज ने सेंट स्टीफन कॉलेज के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। इस मैच में अनमोल, निधिश और विकास ने गोल किए।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम घोषित, केमर रोच, केवेम हॉज की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने दिसंबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे के लिए अपनी टेस्ट टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ केमर रोच और ऑलराउंडर केवेम हॉज की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ियों ने आखिरी बार पाकिस्तान के मुल्तान में जनवरी में खेले गए टेस्ट में हिस्सा लिया था।

टीम में रोच को शामिल किए जाने से अपेक्षाकृत अनुभवहीन तेज़ आक्रमण को मजबूती मिलेगी। इस आक्रमण में 29 वर्षीय ओजे शील्ड्स भी शामिल हैं, जिन्हें पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। हालांकि, तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ और अल्जारी जोसेफ चोटों के कारण इस दौरे से बाहर हैं। बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि हॉज को पुनः मौका दिया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज के

डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट माइल्स बासकॉम्ब ने कहा, 'न्यूजीलैंड हमेशा से किसी भी टीम के लिए कठिन स्थान रहा है... एंटीगा में हाल ही में आयोजित हाई-परफॉर्मेंस कैंप को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों, खासकर तेज़ गेंदबाज़ी मददगार पिचों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था। रोच और शील्ड्स समेत कई खिलाड़ियों ने इस दो सप्ताह के कैंप में हिस्सा लिया और वे 20 नवंबर को न्यूजीलैंड में मौजूदा वनडे टीम के साथ जुड़ेंगे। टीम न्यूजीलैंड ड्ढढ्ढ के खिलाफ क्राइस्टचर्च में दो दिवसीय वार्म-अप मैच खेलेगी।

यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा होगी। वेस्टइंडीज अब तक खेले गए अपने सभी पांच टेस्ट मैच हारकर तालिका में सबसे नीचे है। दूसरी ओर न्यूजीलैंड इस चक्र का अपना पहला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज टेस्ट टीम इस प्रकार है-

रोस्टन चेज़ (कप्तान), जोमेल वॉरिकन (उप-कप्तान),एलिक अथनाज़े, जॉन कैंपबेल, तेग नारायण चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रेव्स,केवेम हॉज, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रैंडन किंग, जोहान लेन एंडरसन फिलिप, केमर रोच, जेडन सील्स, ओजे शील्ड्स।

मुरादाबाद की पलक का यूपी अंडर-23 क्रिकेट टीम मेंचयन

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में दिल्ली रोड स्थित माडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी के कोच मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि प्रतिभाशाली खिलाड़ी पलक ने एक बार फिर शहर का नाम रोशन किया है। बेहतरीन प्रदर्शन और निरंतर मेहनत के बल पर उनका चयन उत्तर प्रदेश क्रिकेट अंडर-23 टीम में हुआ है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी पलक ने अपने खेल का लोहा मनवाते हुए अंडर-19 टीम में जगह बनाई थी। वहीं अब अंडर-23 टीम में चयन होने से उनकी प्रतिभा और अधिक चमक उठी है।

पलक ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से माडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में नियमित रूप से अभ्यास कर रही हैं। उनकी कोच मिर्जा दानिश आलम के निर्देशन में होती है। पलक ने कहा कि आज जो भी सफलता उन्हें मिली है, उसका पूरा श्रेय वह अपने कोच मिर्जा दानिश आलम को देना चाहती हैं। उन्होंने हमेशा सही तकनीक, खेल की बारीकियां समझाते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पलक ने बताया कि कोच की मार्गदर्शन

और प्रेरणा ने ही उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। पिछले दिनों अंडर-19 टीम में चुनकर पलक ने अपनी क्षमता साबित की थी, लेकिन इस बार शानदार प्रदर्शन की बदौलत अंडर-23 टीम में चयन होने से उनका आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है।

जयपुर पोलो टीम ने कनोटा पोलो को 8-7 से हराया, कश्मीर चैलेंज कप की विजयी शुरुआत

एजेंसी

जयपुर। जयपुर पोलो टीम ने कश्मीर चैलेंज कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए कनोटा पोलो को रोमांचक मुकाबले में 8-7 से मात दी। मुकाबले की शुरुआत से अंत तक दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। जयपुर की ओर से लांस वॉटसन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार गोल दागे, जबकि एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर ने भी चार गोल कर टीम को लगातार बढ़त दिलाई। कनोटा पोलो की ओर से हुर्र अली ने चार गोल करते हुए टीम की उम्मीदों को बनाए रखा। वहीं, डिनो धनखड़ ने दो और कंवर प्रताप सिंह कनोटा ने एक गोल दागा, जिससे मैच आखिरी पलों तक रोमांचक बना रहा। पहले चक्कर में जयपुर ने 3-1 की बढ़त हासिल की और दूसरे चक्कर के बाद भी 6-5 की मामूली बढ़त बनाए रखी। अंतिम चक्कर में दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाया, लेकिन जयपुर ने दबाव में संयम बनाए रखते हुए 8-7 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ जयपुर पोलो टीम ने अपने दमदार खेल, अनुशासन और दृढ़ता को एक बार फिर साबित किया है और वे कश्मीर चैलेंज कप में आगे बढ़ते हुए मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 – भारत ने नौ स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। भारत ने मुक्केबाजी के ग्लोबल स्टेज पर अपना अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन किया। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025' के ऐतिहासिक आखिरी दिन भारतीय खिलाड़ियों ने घरेलू दर्शकों के सामने नौ स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक-क्लास के खास डिवीजनों में अपना दबदबा दिखाते हुए, भारत की महिलाओं ने ऐतिहासिक जीत के साथ बढ़त बनाई, जबकि पुरुषों के सेक्शन में दो स्वर्ण पदक मेजबान देश के लिए एक अहम मील के पत्थर बन गए। भारत ने इस अभियान को नौ स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक के साथ खत्म किया, जिसमें हिस्सा लेने वाले 20 मुक्केबाजों में से हर एक ने पोडियम पर जगह बनाई। अंतिम दिन भारत की महिलाओं के नाम रहा। दोपहर के सेशन में मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और नूपुर (80 प्लस किग्रा) के साथ एक-एक स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह शाम के सेशन में निखत जरीन (51 किग्रा), जैस्मिन लैम्बोरिया (57 किग्रा) और परवीन (60 किग्रा), सभी पोडियम पर टॉप पर पहुंचीं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स में सभी वेट कैटेगरी में जेंडर पैरिटी लाने की तैयारी है। ऐसे में आखिरी दिन भारतीय महिलाओं के दबदबे ने वर्ल्ड बॉक्सिंग में देश के बढ़ते रुतबे को और दिखाया। शाम की हाइलाइट वर्ल्ड चैंपियन जैस्मिन लैम्बोरिया रहीं। लैम्बोरिया ने एक ब्लॉकबस्टर फाइनल में पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वू शिह यी को 4:1 से हराकर सबको चौंका दिया। उन्होंने संयम के साथ लड़ते हुए

शुरू में ही शानदार कॉम्बिनेशन से अपनी लय बनाए रखी और बाद में दबाव को शांति से झेलते हुए इस इवेंट में भारत की सबसे बड़ी जीत हासिल की। दो बार की वर्ल्ड चैंपियन निकहत जरीन ने चीनी ताइपे की गुओ यी जुआन को शानदार सटीकता और रिंग कंट्रोल से 5:0 से हराया, जबकि परवीन ने जापान की अयाका तागुची को तेज काउंटर और बेहतर मूवमेंट से 3:2 से हराया।दिन की शुरुआत में, मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरजोना फोजिलोवा पर 5:0 की शानदार जीत के साथ मेडल की दौड़ शुरू की। उन्होंने तेज रफ्तार, एकदम सटीक और मजबूत डिफेंस दिखाया। इसमें एक शानदार लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन भी शामिल था, जिसने राउंड 1 से ही माहौल बना दिया था। प्रीति ने इसके बाद एक और जबरदस्त 5:0 की जीत हासिल की। उन्होंने लगातार दबाव और क्लीन स्कोरिंग मुक्कों से इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरीन चर्राबी को हराया। अरुंधति चौधरी ने 18 महीने बाद शानदार वापसी करते हुए उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5:0 से हराया। उन्होंने सटीक जैब, अनुशासित डिफेंस और पूरे टैक्टिकल कंट्रोल की मदद से यह जीत हासिल की। नूपुर ने उज्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3:2 से हराकर फाइनल राउंड में शानदार शॉट लगाकर अपना पहला वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स टाइटल जीता। भारत के पुरुषों ने अपने घरेलू अभियान में दो और स्वर्ण पदक जीते। सचिन (60 किग्रा) ने किर्गिस्तान के मुनारबेक उलु सेइतबेक को 5:0 से हराया। इस दौरान उन्होंने एक्यूरेसी, मोमेंटम कंट्रोल और क्लीन पंचिंग का मिक्सचर दिखाया। फाइनल्स की सबसे शानदार जीत हितेश (70 किग्रा) की रही, जिन्होंने शुरुआती पिछड़ने के बाद कजाकिस्तान के नूरबेक मुर्सल को 3:2 से हराकर रोमांचक मुकाबले में जगह बनाई।

डीएफएस सचिव ने एमएचए, एमईए, डीओसी और आरबीआई के साथ अंतर-विभागीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने यहां अंतर विभागीय समन्वय समिति (आईडीसी) बैठक की अध्यक्षता की। ये बैठक भारत में विदेशी बैंकों की ब्रांच, प्रतिनिधि कार्यालय और सहयोगी शाखाएं खोलने से संबधित थे। बैठक में गृह मंत्रालय (एमएचए), विदेश मंत्रालय (एमईए), वाणिज्य विभाग (डीओसी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)के सदस्य मंत्रालय शामिल रहे। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अंतर विभागीय समन्वय समिति ने यह बैठक रिजर्व बैंक से मिले प्रस्तावों पर विचार-विमर्श करने के लिए बुलाई थी। बैठक में भारत में विदेशी बैंकों की ब्रांच, प्रतिनिधि कार्यालय और सहायक शाखा खोलने पर चर्चा हुई। इसके साथ ही समिति ने ऐसे ही प्रबंधों के जरिए विदेश में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की कोशिश कर रहे भारतीय बैंकों के प्रस्तावों की भी समीक्षा की। इसके अलावा अंतर विभागीय समन्वय समिति ने भारत में अपनी मौजूदा शाखा को दूसरी जगह ले जाने के लिए विदेशी बैंकों की अनुमति मांग पत्र की जांच की। सोच-विचार के बाद समिति ने प्राप्त प्रस्तावों की सिफारिश की। अंतर विभागीय समन्वय समिति, वित्तीय सेवाएं विभाग के तहत काम करती है। यह विदेशी और घरेलू दोनों तरह के बैंकों से ऐसे प्रस्तावों की जांच करने के लिए नोडल प्राधिकरण के तौर पर काम करती है।

भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसरः पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के असीमित अवसर हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं। तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। गोयल ने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं, जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व शामिल हैं। इसी कार्यक्रम में इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत ने कहा कि भारतीय बुनियादी ढांचा कंपनियां यहां आकर बोली लगा सकती हैं। उन्होंने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) भी सहयोग बढ़ाने का एक अवसर प्रदान करता है। सितंबर, 2023 में दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान आईएमईसी पहल को अंतिम रूप दिया गया था।

देश में 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने खुद को 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की

नई दिल्ली। डिजिटल मार्केटप्लेस में कंज्यूमर के हितों की रक्षा की दिशा में देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने खुद को 'डार्क पैटर्न' से मुक्त होने की घोषणा की है। इन 26 ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट और बिगबास्केट शामिल हैं। इन सभी 26 कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके मंच 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं और किसी भी तरह के छेड़छाड़ वाले 'यूजर इंटरफेस डिजाइन' का इस्तेमाल नहीं करते हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को 26 प्रमुख ई-कॉमर्स प्लटफॉर्म ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं, जो 'डार्क पैटर्न' की रोकथाम एवं विनियमन, 2023 के दिशा-निर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करते हैं। मंत्रालय के मुताबिक इन 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने 'डार्क पैटर्न' की किसी भी उपस्थिति की पहचान, आकलन और उन्मूलन के लिए आंतरिक रूप से स्वयं तथा अन्य पक्ष से 'ऑडिट' कराए हैं। इनमें फार्म इजी, जेप्टो मार्केटप्लेस, फ्लिपकार्ट इंटरनेट, मिंत्रा डिजाइन्स, वॉलमार्ट इंडिया, मेकमायट्रिप (इंडिया), बिगबास्केट (इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स), जियोमार्ट (रिलायंस रिटेल), जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, पेज इंडस्ट्रीज, विलियम पेन, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी (रिलायंस रिटेल लिमिटेड), ड्यूरोफ्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड और क्यूराडेन इंडिया शामिल हैं।

सरकार ने जावेद अशरफ को आईटीपीओ का चेयरमैन किया नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने पूर्व राजनयिक जावेद अशरफ को भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) का चेयरमैन नियुक्त किया है। अशरफ भारतीय विदेश सेवा के 1991 बैच के (सेवानिवृत्त) अधिकारी हैं। कार्मिक मंत्रालय ने जारी आदेश में कहा कि जावेद अशरफ को भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। जावेद अशरफ 1991 बैच के (सेवानिवृत्त) भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि उन्हें पदभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक संविदा आधार पर चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में 10 साल बाद डिफेंस पवेलियन, झारखंड की विशेष प्रदर्शनी आकर्षण का मुख्य केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहे 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में इस बार 10 साल बाद डिफेंस पवेलियन का आयोजन किया गया, जो दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में पवेलियन में भारतीय रक्षा उद्योग के विविध आयामों का प्रदर्शन किया गया है, जिसमें आधुनिक हथियारों, मशीन गन, पनडुब्बी मॉडल, ड्रोन और रॉकेट लॉन्चर जैसे अत्याधुनिक उपकरण प्रदर्शित किए गए हैं। इसके साथ ही ऑपरेशन सिंदूर में उपयोग किए गए हथियारों की झलक भी लोगों को देखने को मिली। कई दर्शकों ने इस पवेलियन को देश की रक्षा क्षमताओं को करीब से जानने का बेहतरीन अवसर बताया। वहीं, झारखंड पवेलियन ने भी इस वर्ष खास चर्चा बटोरी है। यहां वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग ने राज्य की हरित अर्थव्यवस्था और सतत विकास की

दिशा में किए गए प्रयासों को प्रदर्शित किया। सिसल (एगेव) पौधों पर आधारित उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन झारखंड की उभरती संभावनाओं को उजागर कर रहा है। सिसल का उपयोग रस्सी, बैग, मैट और हैंडक्राफ्ट उत्पादों के निर्माण में होता है, साथ ही इससे बायो-एथेनॉल और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। झारखंड पवेलियन में राज्य की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा का भी अद्भुत प्रदर्शन किया गया। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए ईको-फ्रेंडली जूट उत्पाद, जैसे बैग, गृह सज्जा सामग्री और हस्तनिर्मित उपयोगी वस्तुएं, झारखंड की कला और ग्रामीण कारीगरी की पहचान पेश कर रही हैं। इन उत्पादों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नए अवसरों का द्वार खोला है। इसके साथ ही, पवेलियन में रेशम निर्माण की प्रक्रिया भी दर्शाई गई। इस बार के मेले में झारखंड ने न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर, बल्कि हरित विकास और पर्यावरणीय पहल पर भी जोर दिया है। रेशम बनाने वाले व्यापारी उदय कृष्ण ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि मैं झारखंड से आया हूं। रेशम के चार प्रकार हैं, लेकिन हम लोगों ने दो ही लाए हैं। इसको तैयार करने में कम से कम 35 दिन का समय लगता है।

अफगान उद्योग मंत्री से वार्ता में विदेश मंत्री ने भारत के सहयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इसमें विदेश मंत्री ने अफगान जनता के विकास और भलाई के प्रति भारत के सहयोग को दोहराया। वार्ता के बाद विदेश मंत्री ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि आज शाम नई दिल्ली में अफ़गानिस्तान के इंडस्ट्री और कॉमर्स मिनिस्टर, अलहाज नूरुद्दीन अज़ीज़ी से मिलकर खुशी हुई। हमारे व्यापार, संपर्क और लोगों के बीच संबंधों को मज़बूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। अफ़गानिस्तान के लोगों के विकास और भलाई के लिए भारत का सपोर्ट दोहराया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारत और अफगानिस्तान के संबंधों में नई गर्मजोशी आई है। अफगान विदेश मंत्री की भारत यात्रा के बाद भारत ने अपने अफगान मिशन को दूतावास का दर्ज़ा दिया।

सस्ता हुआ सोना-चांदी, 1300 रुपए से ज्यादा गिरे पीली धातु के दाम

एजेंसी

मुंबई। सोना-चांदी की कीमतों में गुरुवार के कारोबारी दिन गिरावट दर्ज की गई है। इससे पहले बुधवार को कीमतों में तेजी देखी गई थी। लेकिन पिछले हफ्ते शुक्रवार से मंगलवार तक तीन दिन कीमतों में लगातार गिरावट जारी थी। कीमती धातुओं की कीमतों पर लेटेस्ट अपडेट के अनुसार, 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत में 1300 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है, वहीं 1 किलोग्राम चांदी की कीमत भी 4000 रुपए से ज्यादा गिरी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 1,22,561 रुपए दर्ज की गई है, जो कि इससे पहले कारोबारी दिन बुधवार को 1,23,884 रुपए प्रति 10 ग्राम बनी हुई थी। बीते 24 घंटों में सोने के दाम में 1,323 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, 22 कैरेट सोना भी 1,212 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 1,12,266

रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 18 कैरेट सोने के दाम की बात करें तो यह भी 992 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 91,921 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। एक किलोग्राम चांदी का भाव घटकर 1,54,113 रुपए पर आ गया है, जो कि इससे पहले 1,58,120 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया था। चांदी की कीमत में 4007 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की ऑफिशियल वेबसाइट पर सोना-चांदी की कीमतों को दिन में दो बार अपडेट किया जाता है। सोना-चांदी की कीमतें एक बार सुबह अपडेट होने के बाद शाम को अपडेट की जाती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी घरेलू बाजार की तरह सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। कॉमेक्स पर सोने का दाम 0.11 प्रतिशत कम होकर 4,078.20 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 0.27 प्रतिशत कम होकर 50.71 डॉलर प्रति औंस हो गया है। हालांकि, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.06 प्रतिशत बढ़कर 1,23,130 रुपए पर पहुंच गया है, जबकि चांदी के 05 दिसंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.08 प्रतिशत की तेजी के बाद 1,55,225 रुपए पर पहुंच गया है।

सरकार ने कुछ इस्पात, स्टेनलेस उत्पादों के लिए गुणवत्ता मानदंडों के अनुपालन से छूट 31 मार्च तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण इस्पात उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कुछ इस्पात और स्टेनलेस उत्पादों के आयात के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंडों को लागू करने की समय-सीमा 31 मार्च, 2026 तक बढ़ा दी है। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा, ''यह छूट 31 मार्च, 2026 को या उससे पहले परिवहन के लिए जहाज पर रखे जा चुके लदान बिल वाले आयात पर भी लागू होगी।'' मंत्रालय कहा कहा कि पहले 31 अक्टूबर, 2025 तक आयात के लिए निर्दिष्ट इस्पात उत्पादों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के अनिवार्य अनुपालन से छूट दी थी।

इसके अलावा स्टेनलेस स्टील के फ्लैट उत्पादों पर लागू तीन भारतीय मानकों (आईएस) - आईएस 6911, आईएस 5522 और आईएस 15997-पर छूट को 31 दिसंबर, 2025 से मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य संबंधित पक्षों के हितों की रक्षा करना और राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के उद्देश्यों के अनुरूप घरेलू उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ महत्वपूर्ण इस्पात उत्पादों की स्थिर बाजार उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि उसने उद्योग के प्रतिभागियों की चिंताओं की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया है। मंत्रालय ने कहा कि एक उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों के बाद उन ग्रेड के आयात

के नियमों को आसान बनाने की घोषणा की जो क्यूसीओ के तहत नहीं आते हैं।

उल्लेखनीय है कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के अनुपालन नहीं करने वाले इस्पात उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश करने से रोकता है।

त्रिपुरा में बीएसएफ ने 3 करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद की, 3 लाख गांजे के पौधे उखाड़े

एजेंसी

अगरतला। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने त्रिपुरा में 3 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की 30,000 नशीली मेथामफेटामाइन टैबलेट बरामद कीं और कई करोड़ रुपए कीमत के 3,00,000 गांजे (कैनबिस) के पौधे नष्ट कर दिए। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि त्रिपुरा फ्रंटियर के बॉर्डर गार्डिंग फोर्स के जवानों ने खास इंटेलिजेंस इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, सिपाहीजला जिले में भारतीय गांव भवानीपुर के पास जंगली इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान, सतर्क बीएसएफ जवानों ने 30,000 मेथामफेटामाइन, जिसे याबा टैबलेट भी कहा जाता है (वजन 3 किलो), बरामद की, जिसकी कीमत 3 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, एक अलग जॉइंट ऑपरेशन में बीएसएफ के जवानों ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और असम राइफल्स के साथ मिलकर, उसी सिपाहीजला के धनीरामपुर गांव के

अंदरूनी इलाके में लगभग 10 एकड़ जमीन पर फैले सात प्लॉट में उगाए गए 3,00,000 गांजे के पौधों को नष्ट कर दिया। बीएसएफ के एक बयान में कहा गया है कि ये सफल ऑपरेशन, त्रिपुरा के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए, सिस्टर एजेंसियों के साथ मिलकर ड्रग ट्रैफिकिंग सहित ट्रांस-बॉर्डर अपराधों को रोकने के बीएसएफ के पक्के इरादे को दिखाते हैं।

18 नवंबर को, सिपाहीजला जिले में कई जगहों पर राज्य और सेंट्रल फोर्स ने गैर-कानूनी गांजा (कैनबिस) की खेती को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर ऑपरेशन सफलतापूर्वक चलाया।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि यह ड्राइव सिपाहीजला जिला पुलिस, चार त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) बटालियन के जवानों, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, महिला त्रिपुरा स्टेट राइफल्स, जिला सिविल एडमिनिस्ट्रेशन और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने मिलकर चलाया। यह ऑपरेशन सिपाहीजला डिस्ट्रिक्ट के पुलिस सुपरिटेंडेंट बिजॉय देबबर्मा ने चलाया। इसमें पांच पुलिस स्टेशन एरिया के तहत आने वाले सुतारमुरा, टोकतुमदुम, चिट्टा रामबारी, उक्यामुरा, तुलामुरा, कमालनगर और घाटीगर इलाकों को टारगेट किया गया।

बजट पूर्व परामर्श बैठकों के 10 दौर पूरे, पर्यटन क्षेत्र से जुड़े संगठनों ने उठाई बोर्ड गठन की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 की तैयारियों के तहत बजट पूर्व परामर्श बैठकों के 10 दौर पूरे कर लिए हैं। उन्होंने टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के एक्सपर्ट्स और स्टेकहोल्डर्स के साथ नवीं बैठक की। इसके बाद उन?होंने ट्रेड यूनियनों और मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ 10वीं बजट पूर्व कंसल्टेशन की अध्यक्षता की।वित्त मंत्रालय के मुताबिक बैठक में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र की दीर्घावधि वृद्धि के लिए राष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड बनाने की मांग की। उन्होंने इस क्षेत्र को संगठित उद्योग का दर्जा देने की बात भी कही, क्योंकि इससे कंपनियों को सस्ता कर्ज पाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी श्रम संगठनों और पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ हुई प्री-बजट बैठक में शामिल हुए। बैठक में वित्तीय सुधारों, नीतिगत मुद्दों और श्रमिक

यूनियनों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। केंद्रीय बजट 2026-27 के संबंध में नौवीं और दसवीं बजट पूर्व बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज?म और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी शामिल हुए।

भारत-इजराइल ने एफटीए पर वार्ता शुरू करने के लिए नियम-शर्तों पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

तेल अवीव/नई दिल्ली। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर साइन किए हैं। भारत की ओर से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके इजराइली समकक्ष नीर बरकत ने हस्ताक्षर किए। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि भारत और इजराइल ने मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करने के लिए नियम-शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए हैं। गोयल ने बताया कि इजराइल के इकॉनमी और इंडस्ट्री मिनिस्टर नीर बरकत के साथ मिलकर, मैंने आज

भारत और इज़राइल के बीच एफटीए के लिए बातचीत को गाइड करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) पर साइन किए।

गोयल ने कहा कि यह हमारी ट्रेड, इकॉनमिक और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने और बढ़ाने के लिए एक बैलेंस्ड, कॉम्प्रिहेंसिव और आपसी फायदे वाले एफटीए को पूरा करने के लिए बातचीत को आसान बनाने की दिशा में पहला और जरूरी कदम है। उन?होंने आगे कहा कि हमारा मिला-जुला मकसद बाइलेटरल ट्रेड में डाइवर्सिटी लाना और उसे बढ़ाना है। इसके साथ ही अलग-अलग सेक्टर्स में सेंसिटिविटीज को देखते हुए कोऑपरेशन के नए एरियाज की पहचान करके एक बड़ा मार्केट बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि हम दोनों पक्षों के लिए आपसी फायदे वाला नतीजा देने के लिए एक-दूसरे की कॉम्प्लिमेंट्रीज का फायदा उठाने के लिए कमिटेड हैं। पीयूष गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। ये पहली बार है, जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे।

फुजियामा पावर सिस्टम्स का शेयर पहले दिन के कारोबार में करीब नौ फीसदी टूटा

एजेंसी

नई दिल्ली। फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड का शेयर अपने कारोबार के पहले दिन निर्गम मूल्य 228 रुपये के मुकाबले करीब नौ फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,384.07 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज (बीएसई) पर रूफटॉप सोलर उद्योग के लिए समाधान प्रदान करने वाली कंपनी फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड का शेयर 4.21 फीसदी की गिरावट के साथ 218.40 रुपये सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 9.93 फीसदी की गिरावट के साथ 205.35 रुपये पर आ गया था। अंत में यह 8.61 फीसदी की गिरावट के साथ 208.35 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी के शेयर ने 3.50 फीसदी की गिरावट

के साथ 220 रुपये पर शुरुआत की। कारोबार के अंत में यह 8.57 फीसदी टूटकर 208.44 रुपये पर बंद हुआ है। फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन दोगुना से अधिक अभिदान मिला था। कंपनी के 828 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य का दायरा 216-228 रुपये प्रति शेयर तय किया था। ग्रेटर नोएडा स्थित कंपनी फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड फुजियामा पावर सिस्टम्स लिमिटेड रूफटॉप सौर उद्योग की विनिर्माता एवं समाधान प्रदाता है। इस कंपनी के उत्पादों में ऑन-ग्रिड, ऑफ-ग्रिड और हाइब्रिड सौर प्रणालियां शामिल हैं।

एयर इंडिया के यात्रियों को मिलेगा जापानी टेप्पनयाकी, मसाला दाल खिचड़ी का स्वाद

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने अपनी उड़ानों के लिए नया मेनू पेश करने की घोषणा की।एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्री घर जैसी मसाला दाल खिचड़ी और स्टफ्ड पराठे के साथ कॉन्टिनेंटल व्यंजनों का भी लुत्फ उठा सकेंगे। यह मेनू शेफ संदीप कालरा ने तैयार किया है जो हाल ही में एयर इंडिया से जुड़े हैं। भारत से रवाना होने वाली अधिकतर अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में नया मेनू लागू कर दिया गया है। इसमें 18 तरह के खाने का विकल्प है। एयर इंडिया ने बताया कि धीरे-धीरे इसे सभी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों और घरेलू उड़ानों में लागू किया जायेगा। घर जैसी मसाला दाल खिचड़ी और स्टफ्ड पराठे बिजनेस क्लास के यात्रियों को मिलेंगे। अन्य भारतीय व्यंजनों में फर्स्ट क्लास और बिजनेस क्लास में अवधि पनीर अंजीर पसंद (शाकाहार अवधी थाली), मुर्ग मसल्लम (मांसाहार अवधी थाली), और दक्षिण भारतीय थाली उपलब्ध होगी। प्रीमियम इकोनॉमी क्लास में राजस्थानी बेसन चिल्ला, मालाबारी चिकेन कड़ी और मलाई कोफ्ता परोसा जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों में फर्स्ट क्लास के यात्रियों के लिए जापानी टेप्पनयाकी कटोरी, साइट्रस टाइगर प्रॉन, और ऑरिएंटल नापा कैबेज तथा टोफू रोलमॉप मेनू में शामिल होगा।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 68 हजार करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज की तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अपने 1 साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। हालांकि ये दोनों सूचकांक अपने ऑल टाइम हाई लेवल तक नहीं पहुंच सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.52 प्रतिशत और निफ्टी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, डिफेंस और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 476.42 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.74 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 68 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,353 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,865 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,307 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 181 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,837 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,277 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,560 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 284.45 अंक की मजबूती के साथ 85,470.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले घंटे में इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स 615.23 अंक उछल कर 85,801.70 अंक के स्तर पर पहुंच गया, सेंसेक्स का ये पिछले 52 हफ्ते का सर्वोच्च स्तर है। इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद मुनाफा वसूली के कारण बिकवाली का मामूली दबाव भी बना, जिसकी वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 170 अंक फिसल कर 446.21 अंक की तेजी के साथ 85,632.68 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 79.45 अंक उछल कर 26,132.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद पहले घंटे के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2 बजे के करीब ये सूचकांक 194 अंक की मजबूती के साथ पिछले 52 सप्ताह के सर्वोच्च स्तर 26,246.65 अंक तक पहुंच गया। इस स्तर पर पहुंचने के बाद आखिरी 1 घंटे के कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव भी बना। इस बिकवाली की वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से 50 अंक से ज्यादा फिसल कर 139.50 अंक की बढ़त के साथ 26,192.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स 3.32 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.29 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.21 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.99 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 1.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एशियन पेंट्स 1.17 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.03 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 0.78 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.54 प्रतिशत और अपोलो हॉस्पिटल 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

चेक गणराज्य में दो ट्रेनों की टक्कर, 57 घायल

एजेंसी

प्राग। चेक गणराज्य के दक्षिणी हिस्से में दो यात्री ट्रेनों की टक्कर में 57 लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई गई है। स्थानीय मीडिया और अधिकारियों के मुताबिक, गुरूवार को यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 6:20 बजे हुई। हादसा चेसे बूडेयोविचे शहर के पास, जिलिव और डिवचित्से स्टेशनों के बीच हुआ जिसमें एक एक्सप्रेस ट्रेन ने दूसरी पैसेंजर ट्रेन को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रेन का ड्राइवर दोनों ट्रेनो के बीच में ही फंस गया । अग्निशमनकर्मियों ने बाद में उसे बाहर निकाला। क्षेत्रीय गवर्नर मार्टिन कुबा ने चेक टेलीविजन को बताया कि हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि नौ को .कुछ ज्यादा चोटें. आई हैं। करीब 25 लोगों को मामूली चोट आई हैं। इस बीच अस्पताल की एक प्रवक्ता ने बताया कि पांच लोगों को गंभीर हालत में भर्ती किया गया है और 42 से 57 लोगों के घायल होने की रिपोर्ट है। अन्य सभी यात्रियों को ट्रेनों से सुरक्षित निकाल लिया गया। परिवहन मंत्री मार्टिन कुपका ने 'एक्स' पर लिखा कि दुर्घटना के कारणो की जांच जारी है, लेकिन शुरुआती जानकारी के मुताबिक एक ट्रेन ने 'स्टॉप सिग्नल' को नजरअंदाज कर दिया था। इस हादसे के बाद चेसे बूडेयोविचे और प्लजेन के बीच रेलों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। यात्रियों के लिए बस सेवाओं की व्यवस्था की गई है।

जापान में फिर चालू होगा दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु संयत्र

टोक्यो। जापान में दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु संयत्र 'ताकाहामा परमाणु ऊर्जा संयत्र' जल्द ही दोबारा चालू होगा। फुकुई प्रांत स्थित यह दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जिसकी कुल क्षमता 8,212 मेगावाट है लेकिन इसे साल 2011 में फुकुशिमा हादसे के बाद बंद कर दिया गया था। फुकुई प्रांत के गवर्नर तात्सुजी सुगिमोतो ने प्रांतीय विधानसभा में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि वह कंसाई इलेक्ट्रिक पावर कंपनी के इस संयत्र की इकाई 01 और 02 को फिर से शुरू करने की अंतिम मंजूरी देंगे। उन्होंने कहा, 'हमने सुरक्षा मानकों की कड़ी समीक्षा की है और नए नियामक मानदंड पूरे हो चुके हैं। मैं जल्द इसे दोबारा चालू करने की मंजूरी दूंगा।' अगले कुछ दिनों में औपचारिक तौर पर इसका फैसला ले लिया जाएगा। ताकाहामा संयंत्र की इन दोनों इकाइयों को साल 2011 के फुकुशिमा हादसे के बाद बंद कर दिया गया था। उस समय रिक्टर पैमाने पर 09 तीव्रता वाले भूंकप के कारण 15 मीटर तक उठी सुनामी की लहरों ने फुकुशिमा परमाणु संयत्र को जलमग्न कर दिया था। इसके 06 में से 03 रिएक्टरों में विस्फोट होने से भारी मात्रा में रेडियो एक्टिव पदार्थ हवा और समुद्र में फैल गए।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे नेपाल के प्रधान न्यायाधीश

काठमांडू। प्रधान न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह राउत के नेतृत्व में सर्वोच्च अदालत का एक उच्चस्तरीय दल दो दिन बाद भारत के दौरे पर रवाना होगा। भारत के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए नेपाल के सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश राउत के अलावा कानून मंत्री जस्टिस अनिल सिन्हा भी शनिवार को भारत की राजधानी नई दिल्ली जाने वाले हैं। प्रधान न्यायाधीश राउत के नेतृत्व वाले इस दल में सर्वोच्च अदालत की वरिष्ठतम न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मुख्य रजिस्ट्रार विमल पौडेल सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं। कार्यक्रम के अनुसार यह दल रविवार को राष्ट्रपति भवन में होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होगा और अगले दिन अर्थात् सोमवार को सर्वोच्च अदालत में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में भी सहभागिता करेगा।

नेपाल में 23 जेन जी समूह ने प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को हटाने के लिए राष्ट्रपति को दिया पत्र

काठमांडू। नेपाल में युवाओं के विद्रोह के बाद नियुक्त की गई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के प्रति भी जेन जी समूह में नाराजगी हो गई है। जेनजी आंदोलन की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल होने का आरोप लगाते हुए 23 जेनजी समूहों ने उन्हें हटाने की मांग की है। युवाओं ने आज राष्ट्रपति कार्यालय में एक ज्ञापन देकर विरोध दर्ज कराया है। राष्ट्रपति कार्यालय में ज्ञापन पत्र जमा करने वालों में अधिकांश राजावादी जेनजी समूह शामिल हैं। जेनजी विद्रोह के बाद गठित सुशीला कार्की नेतृत्व वाली सरकार से बड़े भ्रष्टाचार मामलों में संलग्न लोगों के खिलाफ कार्रवाई तथा प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रधानमंत्री व्यवस्था के लिए संविधान संशोधन किए जाने की अपेक्षा थी, परंतु ऐसा न होने की बात जेनजी समूहों ने कही है। इसके अतिरिक्त आंदोलन के दौरान दमन करने वालों पर कार्रवाई, घायलों का उपचार और शहीद परिवारों को उचित क्षतिपूर्ति जैसी न्यूनतम मांगें भी पूरी न होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने राष्ट्रपति से आग्रह किया है कि कार्की को सरकार से वापस बुलाया जाए और जेनजी समूहों के नेतृत्व में नई सरकार गठन के लिए मध्यस्थता की जाए।

सऊदी अरब, अमेरिका ने इस वर्ष 575 अरब डॉलर मूल्य के समझौतों पर किये हस्ताक्षर

एजेंसी

दोहा। सऊदी अरब के निवेश मंत्री खालिद अल-फलीह ने कहा है कि इस सप्ताह नये सौदों की घोषणा के बाद वर्ष 2025 में अमेरिका और सऊदी अरब की कंपनियों के बीच हस्ताक्षरित अनुबंधों का मूल्य बढ़कर लगभग 575 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। गौरतलब है कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान वहां एक निवेश मंच में हिस्सा लिया जिसमें दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधियों और कंपनियों ने भाग लिया।

श्री अल-फलीह ने बुधवार को अल एखबारिया प्रसारक से कहा, सऊदी और अमेरिकी कंपनियों के बीच लगभग 267 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 242 नये समझौतों की घोषणा की गयी। अब सऊदी और अमेरिका के बीच समझौतों का कुल मूल्य लगभग 575 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है जिसमें मई में सऊदी में हस्ताक्षरित 307

अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के समझौते भी शामिल हैं। मंत्री के अनुसार, दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी समझौते पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सऊदी यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे सऊदी को उन्नत अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हिस्सा लेने और अनुभव प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे जो सभी देशों के लिए उपलब्ध नहीं हैं। इन नए निवेश अवसरों का सऊदी अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इसके नागरिकों के जीवन में सुधार होगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लोअर दीर में 4.7 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लोअर दीर में आज सुबह भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.7 आंकी गई है। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप झटका महसूस होते ही लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप के कारण लोअर दीर के किसी भी हिस्से से जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इस्लामाबाद के नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफ़गानिस्तान में हिंदुकुश रेंज में 93 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप दर्ज होता है तो आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में झटका तेज होता है। यह इस पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होता।

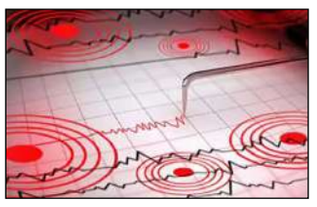

अमेरिका ने भारत को लगभग 790 करोड़ रूपए मूल्य के हथियार बेचने की मंजूरी दी

कीव।

वाशिंगटन। अमेरिका ने भारत के दो बड़े रक्षा सौदों को मंजूरी दे दी है जिनकी कुल कीमत करीब 790 करोड़ रुपये है। अमेरिकी विदेश विभाग और अमेरिकी रक्षा विभाग की रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की।

घोषणा के मुताबिक पहला सौदा 'जेवलिन एंटी-टैंक मिसाइल प्रणाली' का है, जिसकी कीमत करीब 387 करोड़ रुपये है। इसमें 100 जेवलिन मिसाइलें, 25 लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट, ट्रेनिंग किट, स्पेयर पार्ट्स और तकनीकी मदद शामिल है। जेवलिन दुनिया की सबसे खतरनाक कंधे पर रखकर-दागी जाने वाली एंटी-टैंक मिसाइल मानी जाती है। यह टैंक पर ऊपर से हमला करती है, जहां उसका रक्षा कवच सबसे कमजोर होता है। सैनिक इसे इमारत या बंकर के अंदर से भी दाग सकते हैं। लॉकहीड मार्टिन और आरटीएक्स कंपनी मिलकर इसे बनाती हैं। घोषणा के मुताबिक दूसरा सौदा 'एक्सकैलिबर स्मार्ट गोलों' का है, जिसकी कीमत लगभग 400

करोड़ रुपये है। इसमें 216 एम982ए1 एक्सकैलिबर जीपीएस गाइडेड 155 एमएम के गोले, फायर कंट्रोल सिस्टम, प्राइमर और प्रोपेलेंट चार्ज शामिल हैं। ये गोले 40-50 किलोमीटर दूर तक बिल्कुल सटीक निशाना लगाते हैं। भारतीय सेना पहले से ही अपने एम-777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर तोपों में इनका इस्तेमाल कर रही है। इन्हें भी आरटीएक्स कंपनी बनाती है। इस बीच अमेरिकी सरकार ने कहा है कि ये हथियार भारत को 'वर्तमान और भविष्य के खतरों' से निपटने में मदद करेंगे और देश की सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाएंगे। साथ ही उसने यह साफ किया कि इससे क्षेत्रीय संतुलन नहीं बिगड़ेगा। यह मंजूरी ऐसे समय आई है जब भारत-चीन सीमा पर तनाव बना हुआ है और पाकिस्तान से भी वह लगातार खतरे का सामना कर रहा है। पिछले कुछ सालों में अमेरिका, भारत को हथियारों की आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे प्रमुख देश बन चुका है।

फिलीपींस में पूर्व मेयर को मानव तस्करी मामले में उम्रकैद की सजा

एजेंसी

मनीला। फिलीपींस की एक अदालत ने पूर्व मेयर एलिस गुओ को मानव तस्करी के अपराध में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। गुओ पर ऑनलाइन जुआ और घोटालों से जुड़े एक चीनी संगठित अपराधिक गिरोह के साथ साठगांठ करने के आरोप साबित हुए हैं। देश में मानव तस्करी के खिलाफ पहली बार आए इस बड़े फैसले में 'पासिग' रीजनल ट्रायल कोर्ट ने गुओ और अन्य तीन लोगों को 'मानव तस्करी करने' के आरोप में उम्रकैद और प्रत्येक पर करीब 33,800 डॉलर का जुर्माना लगाया।

चार अन्य को भी तस्करी के कार्यों' में शामिल पाए जाने पर उम्रकैद की सजा दी गई। अदालत ने गुओ के स्वामित्व वाले छह अरब पेसो मूल्य के 'बावफू लैंड डेवलपमेंट कॉम्प्लेक्स' को जब्त करने का भी आदेश दिया, जो तस्करी और घोटाला गतिविधियों का केंद्र था। गुओ (35 वर्षीय), वास्तव में एक चीनी नागरिक गुओ हुआ पिंग हैं। उन्होंने 2022 में तार्लाक प्रांत के बंबन शहर की मेयर के रूप में चुनाव जीता था। हालांकि बाद में सीनेट की जांच में खुलासा हुआ कि उन्होंने फिलीपीनी नागरिकता का झूठा दावा किया था। इस साल जून में एक अदालत ने उन्हें 'निसंदेह चीनी नागरिक' घोषित कर पद से हटा दिया था। इस बीच गुओ ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया कि वह फिलीपीनी मूल की हैं। इससे पहले सीनेट ने उन्हें अवमानना के एक मामले में गिरफ्तार करने का आदेश दिया था, लेकिन वह भाग गई थीं। पिछले साल सितंबर में उन्हें इंडोनेशिया के जकार्ता के पास गिरफ्तार करने के बाद फिलीपींस में प्रत्यर्पित किया गया। इस बीच उनके वकील ने अदालत के आदेश पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

'रूस-चीन संबंध इतिहास के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजर रहे हैं': राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जोर देकर कहा है इस समय रूस-चीन संबंध 'अपने इतिहास के सर्वश्रेष्ठ दौर' से गुजर रहे हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ क्रेमलिन में हुई एक बैठक के दौरान पुतिन ने यह बात कही। रूसी विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि दोनों नेताओं के बीच बैठक के दौरान पुतिन ने कहा कि द्विपक्षीय साझीदारी और रणनीतिक सहयोग का नया युग शुरू हो चुका है। पोस्ट के मुताबिक चीन के प्रधानमंत्री के साथ 18 नवंबर को हुई इस बैठक में पुतिन ने कहा, 'रूस-चीन के बीच व्यापक साझीदारी और रणनीतिक सहयोग के संबंध नए युग में प्रवेश कर चुके हैं और वास्तव में हम अपने संबधों के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने का अनुभव कर रहे हैं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि ये संबंध समानता, पारस्परिक लाभ और एक-दूसरे के मूल हितों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग पर आधारित हैं, जो किसी तीसरे पक्ष के

खिलाफ नहीं हैं। पुतिन ने ली कियांग से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए अपनी 'गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं' पहुंचाने को कहा। आर्थिक सहयोग पर चर्चा करते हुए पुतिन ने दोनों देशो के बीच पिछले साल रिकॉर्ड स्तर के आंकड़ों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'हम अपनी दीर्घकालिक योजनाओं के अनुरूप व्यापार सहयोग को मजबूत करना जारी रखेंगे।' दोनों नेताओं के बीच इस वार्ता के दौरान ऊर्जा, उद्योग, अंतरिक्ष और कृषि जैसे क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी। ली कियांग ने भी रूस के साथ 'पारस्परिक-लाभकारी' सहयोग विकसित करने के चीन के संकल्प को दोहराते हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तियानजिन शिखर सम्मेलन के परिणामों को लागू करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने एससीओ के माध्यम से 'खुली और गैर-भेदभावपूर्ण' वैश्विक व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।बैठक में वीजा-मुक्त यात्रा पर भी चर्चा हुई।

पुतिन ने कहा कि चीनी नागरिकों के लिए रूस यात्रा पर वीजा-मुक्त व्यवस्था जल्द ही लागू हो जाएगी, जो चीन के इस बाबत उठाए गए कदम का जवाब होगी। इस बीच चीनी पक्ष ने भी इस बाबत प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दोनों देश उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को बनाए रखेंगे और अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा, कृषि तथा बुनियादी ढांचे में सहयोग बढ़ाएंगे।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस वैन पर बम से हमला, दो की मौत, चार घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में एक पुलिस वैन पर बम से हमला किया गया। इस हमले में दो पुलिसवाले मारे गए और चार घायल हो गए। जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने घटना की पुष्टि की। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख सज्जाद अहमद साहिबजादा ने कहा कि यह पुलिस वैन तकवारा चेक पोस्ट की है। इस वैन पर सवार पुलिस वाले हथला-गिलोटी रोड पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी अचानक उसमें बम फट गया। इस हमले में ड्राइवर रमजान और कांस्टेबल सैफुर रहमान की जान चली गई। हवलदार शाहिद, कांस्टेबल महबूब आलम, आसिफ और किफायत घायल हो गए। यह घटना डेरा इस्माइल खान की दरबान तहसील में हुए बम हमले के ठीक एक हफ्ते बाद हुई है। दरबान तहसील में सुरक्षा बलों की गाड़ी पर किए गए बम विस्फोट से कम से कम 14 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। डेरा इस्माइल खान में इस हफ्ते एक आतंकी मारा गया। सप्ताहांत में जिले के कुलाची इलाके में 10 लड़ाके मारे गए। 15 नवंबर से 19 नवंबर तक चले आतंक विरोध अभियान में प्रांत में 45 लड़ाकों की जान चली गई।

यूक्रेन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव का मसौदा मिलने की पुष्टि की, जेलेंस्की ट्रंप से करेंगे बातचीत

एजेंसी

कीव। यूक्रेन ने आधिकारिक रूप से पुष्टि की है कि उसे संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से युद्ध समाप्ति के लिए तैयार किया गया शांति प्रस्ताव का एक मसौदा प्राप्त हुआ है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की के कार्यालय द्वारा टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा गया कि यह मसौदा वह योजना है, जिसके बारे में अमेरिका का मानना है कि यह शांति वार्ताओं के रास्ते खोल सकता है।

बयान के अनुसार, कीव में आज अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक के दौरान जेलेंस्की ने यूक्रेन की दृष्टि से अहम 'मूलभूत सिद्धांतों' को स्पष्ट किया, और दोनों पक्षों ने मसौदे पर आगे

काम करने पर सहमति जताई। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, 'रूसी आक्रमण के पहले ही क्षण से यूक्रेन ने शांति की कोशिश की है, और हम हर उस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं जो वास्तविक शांति को करीब ला सके।' इस बयान में यूक्रेन ने खुले तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध समाप्त करने के प्रयासों का समर्थन भी किया। यूक्रेन ने कहा कि वह पहले की तरह अब भी अमेरिका, यूरोपीय साझेदारों और अन्य देशों के साथ 'रचनात्मक और गंभीर सहयोग' को तैयार है ताकि युद्ध का परिणाम एक स्थायी शांति के रूप में सामने आए। बयान में यह भी बताया गया कि आने वाले दिनों में ज़ेलेंस्की और ट्रंप के बीच बातचीत होगी, जिसमें शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उठाए जा सकने वाले अतिरिक्त कदमों पर चर्चा की जाएगी।

गाजा में इजराइल का हवाई हमला, 4 लोगों की मौत, 18 घायल

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी के दक्षिणी हिस्से के खान युनिस में इजराइली हवाई हमलों में 4 लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने इजराइली हमलों के शिकार लोगों को फिलिस्तीनी नागरिक होने का दावा करते हुए कहा कि वे विस्थापितों के बीच रह रहे थे। इजराइली सेना के मुताबिक उसके विमानों ने 'मध्य गाजा में जमीन पर संदिग्ध गतिविधि में लगे आतंकवादियों पर हमला किया, जो सेना के लिए खतरा थे।' इन हवाई हमलों में 4 लोगों की मौत हो गई जिसे स्थानीय निवासियों और चिकित्सकों ने स्थानीय नागरिक बताया। इस बीच फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने दावा किया है कि युद्धविराम के बाद इजराइली हमलों में अबतक 312 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है, जिनमें से लगभग 150 लोग पिछले सप्ताह

एक ही दिन उस दौरान मारे गए, जब इजराइल ने अपने सैनिकों पर हमले का बदला लिया। इजराइल का दावा है कि युद्धविराम शुरू होने के बाद उसके 03 सैनिक मारे गए हैं। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर को अमेरिकी मध्यस्थता में इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम से दो वर्षों से जारी युद्ध को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका और लाखों फिलिस्तीनी नागरिकों को घरों को लौटने का मौका मिला। इस दौरान इजराइल ने अपने सैनिकों को पीछे हटाया और वहां सहायता आपूर्ति बढ़ाई गई। युद्धविराम के तहत हमास ने गाजा में बंद 20 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया, बदले में इजराइल ने करीब 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों और युद्ध की परिस्थितियों के दौरान हिरासत में लिए गए फिलिस्तीनी लोगों को छोड़ा। हमास ने 28 मृत बंधकों के शव सौंपे, जबकि इजराइल ने 360 फिलिस्तीनी लड़ाकों के शव लौटाए।

बंगलादेश सुप्रीम कोर्ट ने 2026 के चुनावों के बाद कार्यवाहक सरकार का प्रावधान किया लागू

ढाका। बंगलादेश के सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन ने कार्यवाहक सरकार के प्रावधान को बहाल करते हुए एक औपचारिक फैसला जारी किया, जिसमें संविधान में चुनाव-समय गैर-पक्षपातपूर्ण कार्यवाहक सरकार (एनपीसीजी) प्रणाली के प्रावधान को भावी रूप से बहाल किया गया, जिसे 2011 में प्रधानमंत्री शेख हसीना की तत्कालीन अवामी लीग सरकार द्वारा हटा दिया गया था। न्यायालय ने घोषणा किया कि एनपीसीजी प्रणाली, जिसे मूल रूप से 1996 के 13वें संविधान संशोधन द्वारा शामिल किया गया था, को 'सक्रिय और पुनर्जीवित' किया गया है। अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए अदालत ने कहा कि पिछला निर्णय रिकॉर्ड के सामने स्पष्ट रूप से उल्लिखित कई त्रुटियों से भरा हुआ था इसलिए इसे पूरी तरह से खारिज कर दिया गया। बिजनेस स्टैंडर्ड बीडी के अनुसार, यह आगामी चुनावों के लिए लागू नहीं होगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में पूर्ववर्ती कार्यवाहक प्रणाली को तुरंत लागू करने के बजाय धीरे-धीरे और चरणबद्ध तरीके से लागू करने की बात की गई है। अदालत के निर्देशों के अनुसार, फरवरी 2026 में होने वाले 13वें संसदीय चुनाव वर्तमान अंतरिम सरकार के अधीन होंगे, जबकि उसके बाद होने वाले 14वें राष्ट्रीय चुनावों की देखरेख एक बहाल कार्यवाहक सरकार द्वारा की जाएगी ।

इंडोनेशिया के रियाउ में पाम ऑयल प्लांटेशन अधिग्रहण के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर उतरे

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के रियाउ प्रांत में पाम ऑयल बेल्ट के हजारों निवासियों ने 20 नवंबर को सरकार द्वारा उनके प्लांटेशनों के अधिग्रहण के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह जानकारी प्रदर्शन का आयोजन कर रहे समूह के एक प्रतिनिधि ने स्थानीय मीडिया को दी। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियान्तो की ओर से गठित फॉरेस्ट्री टास्क फोर्स, जिसमें सेना और सरकारी अभियोजक शामिल हैं, इस वर्ष उन पाम ऑयल प्लांटेशनों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है, जिन्हें वन क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित किया जा रहा है। उद्योग जगत का कहना है कि यह कदम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

अब तक करीब 3.7 मिलियन हेक्टेयर प्लांटेशन जमीन जब्त की गई है, जिसमें से लगभग आधी जमीन नई सरकारी कंपनी 'एग्रीनास पाल्मा नुसंतारा' को सौंप दी गई है। इससे यह कंपनी भूमि स्वामित्व के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी पाम

ऑयल कंपनी बन गई है। प्रांतीय राजधानी पेकानबारू में स्थानीय अभियोजक कार्यालय के बाहर हुए एक बड़े विरोध प्रदर्शन में करीब 2,800 लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने टास्क फोर्स और एग्रिनास से तुरंत रियाउ में अपने सभी अभियान रोकने और कब्जे की कानूनी आधार स्पष्ट करने की मांग की। कोम्मारी गठबंधन के सचिव जनरल अब्दुल अजीज ने कहा, 'हमारी मांग है कि पहले स्पष्ट किया जाए कि जमीन का असली अधिकार किसके पास है। हम दशकों से इन जमीनों पर खेती कर रहे हैं। ऐसे ही जबरन कब्जा नहीं किया जा सकता। इस मुद्दे को अदालत में ले जाया जाना चाहिए।' एग्रिनास के वाइस-सीईओ कुश्दी सस्त्रो किजान ने कहा कि टास्क फोर्स की कार्रवाई मौजूदा कानूनों के तहत है, जिसका उद्देश्य वन क्षेत्रों पर नियंत्रण वापस लेना और अवैध पाम ऑयल खेती को रोकना है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी सुशासन के उच्च मानकों के साथ अपने अभियान रियाउ सहित अन्य प्रांतों में जारी रखेगी। इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा पाम ऑयल उत्पादक देश है, और रियाउ इसकी सबसे बड़ी उत्पादक प्रांतों में से एक है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि रियाउ में कितनी जमीन अधिग्रहित कर एग्रिनस को सौंपी गई है। राज्य समाचार एजेंसी अंतरा के मुताबिक, पेकानबारू की सड़कों पर प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए 1,300 से अधिक कर्मियों की तैनाती की गई थी, जबकि हजारों लोग मार्च में शामिल हुए।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/22/2025 12:15 AM Page 2

दलहनी फसलों में मसूर की खेती का प्रमुख स्थान

By: Bhupender Choudhary
(Dainik Jagriti)

रबी की दलहनी फसलों में मसूर की खेती का प्रमुख स्थान है। मसूर की खेती भारत की एक बहुप्रचलित एवं लोकप्रिय दलहनी फसल है। जिसकी खेती प्राय: भारत के हर राज्य में की जाती है। विश्व में इसकी खेती सर्वाधिक भारत में की जाती है। मसूर की खेती असिंचित क्षेत्रों में धान के फसल के बाद की जाती है ।

मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाये रखने में भी मसूर की खेती बहुत सहायक होती है। उन्नतशील उत्पादन तकनीको का प्रयोग करके मसूर की उपज में बढ़ोतरी की जा सकती है। इस लेख में मसूर की खेती वैज्ञानिक तकनीक से कैसे करें का उल्लेख किया गया है।

मसूर की खेती की वानस्पतिक वृद्धि के लिए ठंडी जलवायु तथा पकने के समय गर्म जलवायु की आवश्यकता पड़ती है। सामान्यता मसूर फसल के लिए 20 डिग्री से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है। इस प्रकार की जलवायु में मसूर की खेती सफलता पूर्वक की जा सकती है।

मसूर की खेती के लिए भूमि का चयन

फलीदार फसल होने के कारण मसूर की खेती सभी प्रकार की बलुई दोमट से लेकर काली दोमट भूमि में की जा सकती है। लेकिन इसकी अच्छी उपज के लिए रेतीली दोमट एवं दोमट भूमि सर्वोतम मानी जाती है। मिटटी का पी एच मान 4.5 से 8.2 होना चाहिए।

मसूर की खेती के लिए खेत की तैयारी

हमारे देश के विभिन्न भागों में मसूर फसल के लिए खेत की तैयारी अलग-अलग तरीकों से की जाती है, जैसे कुछ स्थानों में धान की खडी फसल में ही इसके बीज डाल दिए जाते हैं। लेकिन अच्छी पैदावार के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके पश्चात दो से तीन जुताई देशी हल या कल्टीवेटर से करने के पश्चात पाटा लगा कर खेत को समतल तैयार कर लेना चाहिए। खेत का भुरभुरा होना अति आवश्यक है। आखरी जुताई के समय 15 से 20 टन गली सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट मिटटी में मिला दें।

मसूर की फसल के लिए बीज की मात्रा

1. छोटे दानों वाली किस्मों के लिए 40 से 45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मात्रा उचित मानी जाती है।
2. बड़े दानों वाली प्रजातियों के लिए 55 से 60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मात्रा उचित मानी जाती है।
3. पानी भराव वाले क्षेत्रों के लिए 60 से 80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर मात्रा उचित मानी जाती है।

मसूर की खेती के लिए बीजशोधन

मसूर की खेती को बीज जनित फफूंदी रोगों से बचाव के लिए थीरम एवं कार्बेन्डाजिम (2:1) से 3 ग्राम या थीरम 3.0 ग्राम या कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर लेना चाहिए। तत्पश्चात कीटों से बचाव के लिए बीजों को क्लोरोपाईफास 20 ई सी, 8 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर लें।

मसूर की खेती के लिए जैविक बीजोपचार

मसूर की नये क्षेत्रों में बुआई करने पर बीज को राइजोबियम के प्रभावशाली स्ट्रेन से उपचारित करने पर 10 से 15 प्रतिशत की उपज वृद्धि होती है। 10 किलोग्राम मसूर के बीज के लिए राइजोबियम कल्चर का एक पैकेट पर्याप्त होता है। 100 ग्राम गुड़ को 1 लीटर पानी में घोलकर उबाल लें। घोल के ठंडा होने पर उसमें राइजोबियम कल्चर मिला दें। इस कल्चर में 10 किलोग्राम बीज डाल कर अच्छी प्रकार मिला लें ताकि प्रत्येक बीज पर कल्चर का लेप चिपक जायें।

उपचारित बीज को कभी भी धूप में न सुखायें व बीज उपचार दोपहर के बाद करें। राइजोबियम कल्चर न मिलने की स्थिति में उस खेत से जहाँ पिछले वर्ष मसूर की खेती की गयी हो 100 से 200 किलोग्राम मिट्टी खुरचकर बुआई के पूर्व खेत में मिला देने से राइजोबियम बैक्टीरिया खेत में प्रवेश कर जाता है तथा अधिक वातावरणीय नत्रजन का स्थिरीकरण होने से उपज में वृद्धि होती है।

बुआई देशी हल या सीड ड्रिल से पंक्तियों में करें। सामान्य दशा में पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 सेंटीमीटर तथा पंक्ति में पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर व देर से बुआई की स्थिति में पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20 सेंटीमीटर ही रखें पौधे से पौधे की बीच की दूरी 5 से । सेंटीमीटर रखे। बीज 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए। उतेरा विधि से बोआई करने हेतु कटाई से पूर्व ही धान की खड़ी फसल में अन्तिम सिंचाई के बाद बीज छिटक कर बुआई कर देते है।

इस विधि में खेत तैयार करने की आवश्यकता नहीं होती, किन्तु अच्छी उपज लेने के लिए सामान्य बुआई की अपेक्षा 1.5 गुना अधिक बीज दर का प्रयोग करना चाहिए।

पानी भराव वाले क्षेत्रों में वर्षा का पानी हटने के बाद, सीधे हल से बीज नाली बना कर बुआई की जा सकती है। गीली मिट्टी वाले क्षेत्रों में जहाँ हल चलाना संभव न हो बीज छींट कर बुआई कर सकते हैं। लेकिन अच्छी उपज के लिए मसूर की बुआई सीड ड्रिल या हल के पीछे पंक्तियों में ही करना चाहिए।

मृदा परीक्षण के आधार पर समस्त उर्वरक अन्तिम जुताई के समय हल के पीछे कूड़ में बीज की सतह से 2 सेंटीमीटर गहराई व 5 सेंटीमीटर साइड में देना सर्वोत्तम रहता है। सामान्यत: मसूर की फसल को प्रति हैक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस एवं 20 किलोग्राम गंधक की आवश्यकता होती है। नत्रजन एवं फॉस्फोरस की संयुक्त रूप से पूर्ति हेतु 100 किलोग्राम डाइ अमोनियम फॉस्फेट प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करने पर उत्तम परिणाम प्राप्त होते हैं।

गौण एवं सूक्ष्म पोषक तत्व-

गंधक (सल्फर)- 20 किलोग्राम गंधक (154 किलोग्राम जिप्सम/फॉस्फो-जिप्सम या 22 किलोग्राम बेन्टोनाइट सल्फर) प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के समय प्रत्येक फसल के लिये देना पर्याप्त होता है। कमी ज्ञात होने पर लाल बलुई मृदाओं के लिए 40 किलोग्राम गंधक (300 किलोग्राम जिप्सम/फॉस्फो-जिप्सम या 44 किलोग्राम बेन्टोनाइट सल्फर) प्रति हैक्टर की दर से प्रयोग करना चाहिए।

बोरॉन- 1.6 किलोग्राम बोरॉन (16.0 किलोग्राम बोरेक्स या 11 किलोग्राम डाइसोडियम टेट्राबोरेट पेन्टाहाइड्रेट) प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के समय में प्रत्येक फसल में देना चाहिए।

मसूर की फसल में सिंचाई प्रबंधन

पानी भराव वाले क्षेत्रों के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में वर्षा न होने पर मसूर की खेती से अधिक उपज लेने के लिए बुआई के 40 से 45 दिन बाद व फली में दाना भरते समय सिंचाई करना लाभप्रद रहता है या फसल की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।

मसूर की खेती में खरपतवार नियंत्रण

रासायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु बुआई के तुरन्त बाद (48 घंटे के अंदर) खरपतवारनाशी रसायन पेन्डीमिथलीन 30 ई सी का 0.75 से 1 किलोग्राम सक्रिय तत्व (2.5 से 3 लीटर व्यापारिक मात्रा) प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव किया जाना चाहिए। बुआई से 25 से 30 दिन बाद एक निंराई करना पर्याप्त रहता है। यदि दूसरी निंराई की आवश्यकता हो तब बुवाई के 40 से 45 की फसल अवस्था पर करनी चाहिए। फसल बुवाई से 45 से 60 दिन तक खरपतवार मुक्त होनी चाहिए।

इसका बोने का समय क्षेत्र विशेष की जलवायु अनुसार भिन्न हो सकता है। जैसे उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्र में बुवाई का सर्वोत्तम समय अक्टूबर के अन्त में, जबकि उत्तर-पूर्वी मैदानी क्षेत्र में नवम्बर का द्वितीय पखवाड़ा उपयुक्त होता है। क्योंकि इस समय यहाँ पर्याप्त नमी बुवाई के समय होती है। इस तरह मध्य क्षेत्र जहाँ नमी मुख्य रूकावट है, अग्रेती बुवाई मध्य अक्टूबर में उपयुक्त रहती है।

मसूर की खेती में कीट और रोग रोकथाम

फलीछेदक- मसूर की खेती में इस कीट का प्रकोप होने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई सी, 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या इमामेक्टिंन बेन्जोएट 5 एस जी 0.2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करें।

माहू (एफिड)- इस कीट से बचाव के लिए प्रकोप आरम्भ होते ही डायमिथोएट 30 ई सी, 1.7 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी या इमिडाक्लोरोप्रिड 1।.8 एस एल की 0.2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

रतुआ (रस्ट)- समय से बुआई करें, रोगरोधी/सहनशील किस्मों जैसे- पन्त मसूर- 4, पन्त मसूर- 639, पन्त मसूर- 6, पन्त मसूर- 7, के एल एस- 218, आई पी एल- 406, डब्लू बी एल- 77, एल एल- 931, आई पी एल- 316, आदि से चुनाव करें। बचाव के लिए फसल पर मैंकोजेब 75 डब्लू पी कवकनाशी का 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन बाद छिडकाव करें तथा दूसरा 10 से 12 दिन के बाद जरूरत के हिसाब से करें।

उकठा (विल्ट)- बुवाई से पूर्व बीज को थायरम व कार्बेन्डाजिम (2:1) 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करके ही बोनी करें, उकठा निरोधक एवं सहनशील किस्मों जैसे पन्त मसूर- 5, आई पी एल- 316, आर वी एल- 31, शेखर मसूर- 2, शेखर मसूर- 3 इत्यादि उगायें।

मसूर फसल की कटाई और मड़ाई

मसूर की खेती की जब 70 से 80 प्रतिशत फलियाँ पक जाएं, कटाई आरम्भ कर देना चाहिए। तत्पश्चात बण्डल बनाकर फसल को खलिहान में ले आते हैं। 3 से 4 दिन सुखाने के पश्चात श्रेसर द्वारा भूसा से दाना अलग कर लेते हैं।

मसूर की खेती से पैदावार

उपरोक्त उन्नत सस्य विधियों और नवीन किस्मों की सहायता से मसूर की खेती करने पर प्रति हेक्टेयर 15 से 25 क्विन्टल तक उपज प्राप्त की जा सकती है।

भंडारण के समय दानों में नमी 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। भण्डार गृह में 2 गोली एल्युमिनियम फास्फाइड प्रति टन रखने से भण्डार को कीटों से सुरक्षा मिलती है। भंडारण के दौरान मसूर को अधिक नमी से बचाना चाहिए।

अधिक उत्पादन लेने हेतु आवश्यक बिंदू-

1. ग्रीष्म कालीन गहरी जुताई तीन वर्ष में एक बार अवश्य करें।
2. पोषक तत्वों की मात्रा मिटटी परीक्षण के आधार पर ही दें।
3. मसूर की खेती हेतु बुवाई पूर्व बीजोपचार अवश्य करें।
4. रस्ट (किट्ट) व उकठा रोगरोधी या सहनशील किस्में उगायें।
5. पौध संरक्षण के लिये एकीकृत पौध संरक्षण के उपायों को अपनाना चाहिए।
6. खरपतवार नियंत्रण अवश्य करें।

आंवले के पेड़ की देखभाल कैसे करें

आंवले के पौधे को बहुत शुभ माना जाता है और साथ ही इसके फल पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं जिनके सेवन से समय से पहले बाल सफेद न होना, आँखों की रोशनी बढ़ना जैसे कई सारे फायदे शरीर को होते हैं, इसीलिए हर किसी को अपने घर में आंवले के पौधे को जरूर लगाना चाहिए। यह एक ऐसा पेड़ है जिसे एक बार लगा देने पर बड़ा होने के बाद यह कई सालों तक फल देता रहता है। यदि आप भी जानना चाहते हैं कि आंवले को घर पर बीज से कैसे उगाएं तो यह लेख आपके लिए ही है। घर पर आँवला या इंडियन गूसबेरी के बीज कब लगाएं, गमले में आँवला के बीज लगाने की विधि क्या है तथा अमला या आंवला के पेड़ की देखभाल या केयर कैसे करें, के बारे में संपूर्ण जानकारी के लिए लेख को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

▶▶ आंवला प्लांट लगाने के लिए मिट्टी

इंडियन गूसबेरी या आंवला के पौधे को उगाने के लिए दोमट मिट्टी या चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि, मिट्टी न तो बहुत अधिक जलभराव वाली होनी चाहिए और न ही बहुत अधिक रेतीली। आंवला के पौधे थोड़ी अम्लीय और थोड़ी क्षारीय मिट्टी में (6.5-9.5 PH) अच्छे से ग्रो होते हैं।

▶▶ गमले में आंवला के बीज कैसे लगाएं

आंवले का पेड़ काफी बड़ा (लगभग 20-25 फुट लम्बा) होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि, इसे उगाने के लिए बड़ा गार्डन ही चाहिए। आप इसे आसानी से अपने घर के छोटे गार्डन में या छत पर गमले में भी बीज से उगा सकते हैं। आप इन सरल स्टेप्स को फॉलो करके गमले में आंवला के पौधे आसानी से उगा सकते हैं, जैसे

1. सबसे पहले आप जिस भी वैरायटी के आंवला उगाना चाहते हैं, उसके बीज खरीद लें या उन्हें आँवला के फल से भी निकाल कर लगा सकते हैं।
2. आँवला के पौधे के लिए अच्छा पॉटिंग मिक्स तैयार करने के लिए आप 50त्न बलुई या चिकनी मिट्टी, 20त्न गोबर की खाद, 20% वर्मीकंपोस्ट और 10% नीम खली को मिक्स करें।
3. अब पॉटिंग मिक्स युक्त, सीडलिंग ट्रे या उचित आकार के ग्रो बैग (6 से 10 इंच) में आंवले के बीज को 0.6 सेंटीमीटर (1/4 इंच) की गहराई में लगा दें।
4. बीज लगाने के बाद मिट्टी में पानी डालें, ताकि मिट्टी नम हो जाए।
5. अब गमलों को आंशिक छाया वाली जगह पर ब्राइट लाइट में रख दें।
6. मिट्टी में नमी को बनाये रखें, इसके लिए समय-समय पर गमलों या सीडलिंग ट्रे (जिसमें बीज लगाएं हों) को चेक करते रहें।
7. अनुकूल जलवायु मिलने पर आंवला के बीज 30 से 50 दिन में जर्मीनेट हो जाते हैं।
8. यदि आप नर्सरी से खरीद कर आंवले का पौधा लाये हैं या फिर आपके द्वारा बीज से लगाए गए पौधे की लम्बाई 5-10 इंच हो जाए, तब आप पौधों को बड़े गमले या ग्रो बैग में रिपॉट अर्थात् स्थानांतरित कर सकते हैं।

आंवले के पेड़ की देखभाल कैसे करें

घर पर गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे आँवला के पौधे लगभग 5-8 साल में फल देने लगते हैं, इसलिए लम्बे समय तक इसकी देखभाल करने की जरूरत होती है। होम गार्डन में लगे आंवला के पेड़ की देखभाल करने के लिए निम्न टिप्स को फॉलो करें, जो इस प्रकार हैं

आंवला के पौधों को शुरूआत में नियमित रूप से पानी देने की आवश्यकता होती है, लेकिन जैसे-जैसे पौधा परिपक्व होता जाता है, उसे कम पानी की आवश्यकता होती है। आँवला के पौधे बड़े होने पर पानी तभी दें, जब पौधे की मिट्टी की ऊपरी परत सूखी दिखाई दें। आप मिट्टी में ऊँगली डालकर जांच कर सकते हैं कि, मिट्टी गीली है या सूखी। एक बात का विशेष ध्यान रखें कि, आंवला के पौधों में फल आते समय जरूरत के अनुसार पौधों को पानी जरूर दें। पौधों को पानी देने के लिए आप वॉटर केन और स्प्रे पंप का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आंवला के बीज कब लगाएं

गार्डन या गमले की मिट्टी में आंवला के बीज लगाने का बेस्ट टाइम जनवरी से फरवरी और जुलाई से सितम्बर का महीना होता है। मिट्टी का तापमान लगभग 25-35°C होने पर आंवला के बीज अच्छी तरह से जर्मिनेट होते हैं।

आंवला के पौधे लगाने के लिए कंटेनर या गमला

आप आँवला के पौधों को निम्न आकार के गमले या ग्रो बैग में लगा सकते हैं, जो निम्न हैं-

12 X 15 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)
15 X 15 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)
15 X 18 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)
18 X 18 इंच (चौड़ाई X ऊंचाई)

नोट - अगर आप आँवला के पौधे की छोटी किस्मों को लगा रहें हैं, तो कम आकार के गमले या ग्रो बैग का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

सन लाइट

आंवला या इंडियन गूसबेरी के पौधों को अच्छी तरह से ग्रो करने के लिए भरपूर धूप की आवश्यकता होती है, इसलिए पौधे लगे गमले । ग्रो बैग को ऐसे स्थान पर रखें, जहां पौधे को आवश्यकता अनुसार धूप प्राप्त हो सके। गर्मी के मौसम में तेज धूप के दौरान पौधे को आंशिक छाया में रखें, क्योंकि तेज धूप के कारण पौधे मुरझा सकते हैं या खराब हो सकते हैं। आप पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए शेड नेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

तापमान और आर्द्रता

गर्मी के मौसम में आँवला के पेड़ में अधिक फूल खिलते हैं, जबकि बरसात (जुलाई से अगस्त) के मौसम में उच्च आर्द्रता की जलवायु फलों की ग्रोथ के लिए हेल्पफुल होती है। अच्छी तरह से ग्रो हो चुका, आँवला का पेड़ 0°C-45°C के टेम्प्रेचर को भी सहन कर सकता है।

खाद और उर्वरक

गमले या ग्रो बैग की मिट्टी (मृदा) में लगे आँवला के पौधे की ग्रोथ के लिए समय-समय पर पुरानी गोबर खाद, वर्मीकम्पोस्ट और घर में सब्जियों के छिलकों से बनी जैविक खाद दे सकते हैं। इसके अलावा आप इंडियन गूसबेरी में फूल लगने के 2-3 सप्ताह पहले खाद दे सकते हैं, ताकि पौधे में अच्छी तरह से फूल खिलने के बाद फल लग सकें।

कीट और रोग

आँवला का पौधा कैटरपिलर, मिली बग्स जैसे कीटों और रस्ट रोग से संक्रमित हो सकता है। रस्ट रोग के कारण आँवला के पौधे के तने, पत्तियों व फलों पर लाल रंग के गोल, अंडाकार धब्बे बन जाते हैं। आप घरेलू कीटनाशकों जैसे नीम तेल, साबुन का स्प्रे आदि का उपयोग करके इन अवांछित कीटों से छुटकारा पा सकते हैं। एक लीटर पानी में 3-4ml नीम तेल और लिक्विड सोप की कुछ बूंदे मिलाएं और इस घोल को स्प्रे पम्प में भरकर पौधे के कीट व रोग ग्रस्त भाग पर छिड़काव करें।

प्रूनिंग

आँवला प्लांट की सूख चुकी ,डैमेज, रोगग्रस्त और उलझी हुई ब्रान्चेस को समय-समय पर हटा देना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से पौधा साफ-सुथरा हो जाता और रोग व कीट लगने की संभावना भी कम होती है। इसके अतिरिक्त पौधे से डैमेज भाग हटा देने से पौधे की ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती है, क्योंकि पौधे की जो ऊर्जा खराब भागों में नष्ट हो जाती थी, अब वह पौधे के विकास में उपयोग होती है और फलस्वरूप पौधा हरा-भरा बना रहता है।

स्प्रिंग सीजन के बाद घांस, पत्तों से आँवला प्लांट की मल्चिंग कर देना चाहिए, ताकि गर्मी के महीनों में पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे, लेकिन मल्चिंग करने से पौधे की मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहती है, जिसके कारण पौधे में कीट व रोग लगने की संभावना होती है, इसलिए समय-समय पर पौधे का निरीक्षण करते रहें।

आमतौर पर बीज लगाने के लगभग 5-8 साल में आंवला के पेड़ में फल आने लगते हैं। मार्च-अप्रैल में आंवला प्लांट में नई पत्तियां और फूल खिलते हैं तथा फल जुलाई से सितंबर के महीने तक आते रहते हैं। -